मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

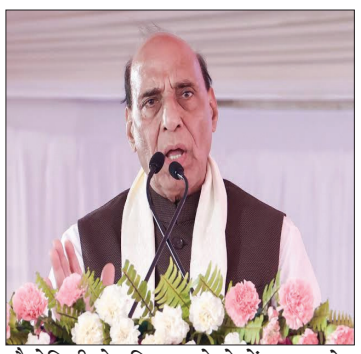
हर खबर निष्पक्षता के साथ

मुंबई
वर्षः 9 अंक 124
सोमवार, 16 नवम्बर 2026
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

उन्नत प्रौद्योगिकियों का केवल यूजर न बने भारत, विकास में बने ग्लोबल लीडरः राजनाथ सिंह

नयी दिल्ली, 15 नवम्बर। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को कहा कि भारत को उन्नत प्रौद्योगिकियों का केवल उपयोगकर्ता बनकर नहीं रहना चाहिए बल्कि महत्वपूर्ण क्षेत्रों में इनका विकास करने वाला, नवोन्मेष को बढ़ावा देने वाला और वैश्विक स्तर पर अग्रणी देश भी बनना चाहिए। सिंह ने बेहतर तैयारियों और आत्मनिर्भरता के लिए देश में किसी सामग्री को नुकसान पहुंचाए बिना उसकी जांच करने वाली प्रौद्योगिकियों से जुड़ी व्यवस्था को मजबूत करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। सिंह ने गैर-विनाशकारी मूल्यांकन एवं सहायक प्रौद्योगिकियों पर 36वें वार्षिक सम्मेलन और एयरोस्पेस में गैर-विनाशकारी परीक्षण पर 15वीं अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी को ऑनलाइन संबोधित किया।

रक्षा मंत्री ने उन्नत निरीक्षण प्रौद्योगिकियों के क्षेत्र में स्वदेशी क्षमताएं विकसित करने, गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए एक समान प्रक्रियाओं को बढ़ावा देने और विशेष रूप से रणनीतिक उपयोग से जुड़े परीक्षणों के परिणामों की सटीकता, विश्वसनीयता तथा प्रामाणिकता सुनिश्चित करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि रणनीतिक उपयोग से जुड़े परीक्षणों के परिणामों की प्रामाणिकता से कोई समझौता नहीं किया जा सकता। सिंह ने कहा, हमें उन्नत निरीक्षण प्रौद्योगिकियों, विशेष सेंसर, मूल्यांकन उपकरणों और उनसे जुड़े सॉफ्टवेयर के क्षेत्र में अपनी स्वदेशी क्षमताओं को मजबूत करना होगा। उन्होंने कहा, इन क्षेत्रों में घरेलू क्षमताएं विकसित करना



प्रौद्योगिकी के लिए दूसरे देशों पर निर्भरता कम करने और रक्षा क्षेत्र की महत्वपूर्ण आपूर्ति श्रृंखलाओं को सुरक्षित बनाने के लिए आवश्यक है। हमें पूरे रक्षा उद्योग में गुणवत्ता सुनिश्चित करने की एक समान प्रक्रियाओं को बढ़ावा देना होगा। रक्षा मंत्री ने कहा कि इस प्रयास में सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों, निजी निर्माताओं, स्टार्टअप और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने कहा, हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि निरीक्षण के परिणाम सटीक और विश्वसनीय हों तथा उनकी जांच-पड़ताल की जा सके। ये परिणाम मजबूत प्रक्रियाओं और उचित मानकों पर आधारित होने चाहिए तथा योग्य विशेषज्ञों को इनका मूल्यांकन करना चाहिए। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि तेलंगाना के हैदराबाद में इंडियन सोसाइटी फॉर नॉन डिस्ट्रक्टिव टेस्टिंग द्वारा आयोजित तीन दिवसीय सम्मेलन में 2,000 से अधिक पेशेवर, शोधकर्ता, उद्योग विशेषज्ञ और विद्यार्थी भाग ले रहे हैं।

सम्मेलन में गैर-विनाशकारी परीक्षण (एनडीटी) के क्षेत्र में हालिया प्रगति, उभरती प्रौद्योगिकियों और उनके उपयोग पर चर्चा की जा रही है।

सिंह ने कहा कि गैर-विनाशकारी परीक्षण प्रौद्योगिकियों की मदद से किसी सामग्री, उपकरण के हिस्से या संरचना को नुकसान पहुंचाए बिना उसकी मजबूती और स्थिति की जांच की जा सकती है। उन्होंने इस अवधारणा को समझाते हुए कहा कि जिस तरह अल्ट्रासाउंड और एक्स-रे की मदद से बिना ऑपरेशन किए मानव शरीर की जांच की जा सकती है, उसी तरह गैर-विनाशकारी परीक्षण तकनीकों से महत्वपूर्ण उपकरणों के हिस्सों को खोले या नुकसान पहुंचाए बिना उनमें मौजूद आंतरिक खामियों का पता लगाया जा सकता है।

किरेन रिजिजू ने राहुल गांधी पर तंज कसा

नई दिल्ली, 15 नवम्बर। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने रविवार को लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर तंज कसा है। हैदराबाद में हुए 'भारत समिट 2026' के दौरान इटली के नेता जियाकोमो फिलिबेक ने मंच से कांग्रेस का नारा 'वोट चोर, गद्दी छोड़' लगाया था। इस नारे को सुनकर राहुल गांधी हंसते और ताली बजाते नजर आए, जिस पर अब सियासी बवाल मच गया है। पार्टी ऑफ यूरोपियन सोशलिस्ट्स के महासचिव जियाकोमो फिलिबेक के इस बयान की भाजपा और भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) ने कड़ी आलोचना की है। दोनों दलों ने इसे भारत के अंदरूनी मामलों में विदेशी दखल बताया है। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने बिना नाम लिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर राहुल गांधी के इस रवैये पर सवाल उठाए। रिजिजू ने अपनी पोस्ट में लिखा, क्या आपने कभी किसी को तब हंसते हुए देखा है जब कोई विदेशी भारत का अपमान कर रहा



हो? मैं यह नहीं पूछ रहा हूं कि कौन सा भारतीय विदेश जाकर भारत का अपमान करता है।'भारत समिट' में लोगों को संबोधित करते हुए जियाकोमो फिलिबेक ने मतदाता सूची में कथित गड़बड़ियों के खिलाफ राहुल गांधी के अभियान का समर्थन किया। उन्होंने एक व्यक्ति, एक वोट के नियम को बचाने के लिए राहुल की तारीफ की। फिलिबेक ने मंच से कहा, राहुल गांधी ने एक सीधे से नियम को बचाया है जिस पर हर लोकतंत्र टिका होता है, और वह है एक व्यक्ति, एक वोट। साफ-सुथरी और पारदर्शी मतदाता सूची के लिए उनका अभियान और दो हफ्ते पहले रामलीला मैदान तक उनके साथ मार्च करने वाले हजारों लोग हमें याद दिलाते हैं कि लोकतंत्र अपने आप नहीं मिलता, बल्कि इसे वे लोग बचाते हैं जो इसके लिए खड़े होने को तैयार रहते हैं। वोट चोर, गद्दी छोड़।

इटली के इस नेता ने इस नारे को अंग्रेजी में भी दोहराते हुए कहा, ₹वोट थीफ, लीव योर सीट। उन्होंने दो हफ्ते पहले दिल्ली के रामलीला मैदान में हुए विपक्ष के मार्च का जिक्र किया और आधुनिक भारत की लोकतांत्रिक नींव रखने का श्रेय कांग्रेस को दिया। इस सम्मेलन में शामिल होने का बचाव करते हुए फिलिबेक ने कहा कि लोकतंत्र के सामने आ रही चुनौतियों पर दुनिया भर का ध्यान खींचने के लिए ऐसे आयोजन बहुत जरूरी हैं। उन्होंने कहा, मेरा मानना है कि चिंताजनक चुनौतियों की तरफ अंतरराष्ट्रीय ध्यान खींचने के लिए इस तरह के सम्मेलन बहुत अहम हैं। भारत में लोकतंत्र पर हमला हो रहा है और हमें इसे बचाने की जरूरत है।

भाई को डूबता देख बचाने के लिए बंधी में कूदी बहन, पीछे से उतरा बहनोई; तीनों की मौत

सोनभद्र, 15 नवम्बर। भाई को आंखों के सामने डूबता देख बहन खुद को रोक नहीं सकी। उसे बचाने के लिए पानी में छलांग लगा दी। बहन को डूबता देख बहनोई भी उन्हें बचाने के लिए बंधी में उतर गया। लेकिन गहरे पानी में तीनों जिंदगी की जंग हार गए। सोनभद्र के अनपरा थाना क्षेत्र में रविवार को हुए इस दर्दनाक हादसे ने एक परिवार की खुशियां छीन लीं। बंधी में डूबने से भाई, बहन और बहनोई की मौत हो गई। काफी मशक्कत के बाद पुलिस और बचाव दल ने तीनों के शव बाहर निकाले।हादसा अनपरा थाना क्षेत्र की कुलडोमरी ग्राम पंचायत के वीरन वहरा टोला में हुआ। रामप्रसाद का पुत्र राजू (15) रविवार सुबह घर के पास स्थित बंधी में नहाने गया था। नहाते समय वह अचानक गहरे पानी में चला गया और डूबने लगा।



उसे संकट में देख पास मौजूद उसकी बहन उर्मिला (19) ने उसे बचाने के लिए पानी में छलांग लगा दी। हालांकि, वह भी गहरे पानी में फंस गई।बहन और भाई को डूबता देख उर्मिला का पति अनिल (22) भी उन्हें बचाने के लिए बंधी में कूद पड़ा। एक-दूसरे को बचाने की कोशिश में तीनों गहरे पानी में समा गए। किसी को भी बाहर निकलने का मौका नहीं मिला। देखते ही देखते परिवार के तीन सदस्यों की जिंदगी खत्म हो गई।दोपहर बाद तक जब राजू, उर्मिला और अनिल घर नहीं लौटे तो परिजनों को चिंता हुई। राजू की मां उनकी तलाश करते हुए बंधी के पास पहुंची। वहां किनारे तीनों के सामान पड़े मिले, लेकिन उनका कहीं पता नहीं था। इसके बाद परिवार के लोगों ने पुलिस को सूचना दी। एक ही परिवार के तीन सदस्यों के लापता होने की जानकारी मिलते ही अनपरा पुलिस मौके पर पहुंची और बचाव अभियान शुरू कराया।

सोनम वांगचुक 60 दिनों के लिए नजरबंद, लेह में सभा और जुलूस पर लगा कड़ा प्रतिबंध

लद्दाख, 15 नवम्बर। सोनम वांगचुक को 60 दिनों के लिए घर में नजरबंद कर दिया गया है और उनके किसी भी सार्वजनिक रैली या जुलूस में शामिल होने पर रोक लगा दी गई है। लेह के अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट ने यह आदेश उस घटना के एक दिन बाद जारी किया, जब लद्दाखी संगठनों के विरोध प्रदर्शन के बीच वांगचुक को प्रदर्शन स्थल से हटाया गया था। ये संगठन सरकार द्वारा 4 दिसंबर को हिल काउंसिल के चुनाव कराने के फैसले का विरोध कर रहे हैं। प्रशासन ने लेह पुलिस प्रमुख के एक पत्र और पुलिस रिपोर्ट का हवाला देते हुए वांगचुक की आवाजाही पर पाबंदी लगाने के लिए भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163 लागू की है। आदेश में कहा गया है, यह आदेश तुरंत प्रभाव से लागू होगा और 60 दिनों की अवधि तक जारी रहेगा। यह पाबंदी 4 दिसंबर को होने वाले लद्दाख स्वायत्त पहाड़ी विकास परिषद चुनावों से ठीक पहले लगाई गई है। वांगचुक और अन्य स्थानीय नेताओं का कहना है कि कड़ाके की सर्दी और मौसमी पलायन के कारण लद्दाख के कई मतदाता वोट डालने से वंचित रह जाएंगे। आधिकारिक आदेश जारी होने से कुछ घंटे पहले ही सोनम वांगचुक ने दावा किया था कि उन्हें घर में नजरबंद कर दिया गया है और दर्जनों पुलिसकर्मियों ने उनके घर को घेर लिया है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में वांगचुक ने लिखा, मैं घर में नजरबंद हूं। दर्जनों हथियारबंद गार्डों ने मेरे घर को घेर रखा है, जबकि सरकार का कहना है कि मुझे घर पर रहने की सलाह दी गई है। यह सब सिर्फ असहज करने वाले सवाल पूछने के लिए हो रहा है, जैसे कि पिछले साल लेह में हुई मौतों की न्यायिक जांच आयोग की रिपोर्ट में देरी क्यों हो रही है और कड़ाके की



सर्दी के बीच लोगों पर इतनी तेजी से दिखावटी काउंसिल चुनाव क्यों थोपे जा रहे हैं? उन्होंने आगे आरोप लगाया कि पूरा लद्दाख विरोध कर रहा है और दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र में उनके एक्स, इंस्टाग्राम और यूट्यूब की पहुंच को काफी कम कर दिया गया है।

साल 2019 में अलग केंद्र शासित प्रदेश बनने के बाद लद्दाख प्रशासन पहली बार बड़े पैमाने पर चुनावी प्रक्रिया कराने जा रहा है। विरोध और बहिष्कार के आह्वान के बीच सभी आठ स्वायत्त पहाड़ी विकास परिषदों के लिए 4 दिसंबर को मतदान होना है। इन आठ परिषदों में कुल 100 निर्वाचन क्षेत्र होंगे, जिनमें से 36 सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित हैं। प्रशासन द्वारा जारी कार्यक्रम के अनुसार, नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि 17 नवंबर है, 18 नवंबर को नामांकन पत्रों की जांच होगी और 20 नवंबर तक नाम वापस लिए जा सकेंगे। पूरी चुनावी प्रक्रिया 8 दिसंबर तक समाप्त हो जाएगी। यह चुनाव ऐसे समय हो रहे हैं जब लेह और कारगिल में लंबे समय से पूर्ण राज्य के दर्जे और संविधान की छठी अनुसूची के तहत सुरक्षा की मांग को लेकर आंदोलन चल रहा है।

लद्दाख के मुख्य सचिव आशीष कुंद्रा के अनुसार, आठ नए जिले बनने के बाद पहले के लेह और कारगिल जिलों की 26-26 सीटों को बढ़ाकर अब 50-50 कर दिया गया है, जिससे कुल सीटों की संख्या 100 हो गई है। सर्दियों के महीनों में चुनाव कराने के फैसले का बचाव करते हुए कुंद्रा ने कहा कि प्रशासन पूरे इंतजाम करेगा ताकि मौसम के कारण मतदाताओं को कोई परेशानी न हो। उन्होंने बताया कि मतदान केंद्रों पर हीटर लगाए जाएंगे और बुजुर्ग मतदाताओं के लिए अलग कतारों की व्यवस्था होगी। मुख्य सचिव ने कहा, लद्दाख में स्कूल आमतौर पर 15 या 16 दिसंबर तक खुले रहते हैं।

छठ महापर्व पर सीमा सिंह के घर पहुंचे राज्यपाल जिष्णुदेव वर्मा



मुंबई। देश की प्रतिष्ठित सामाजिक संस्था मेघाश्रेय फाउंडेशन की राष्ट्रीय अध्यक्ष सीमा सिंह के वर्ली स्थित आवास पर आयोजित छठ पूजा कार्यक्रम में महाराष्ट्र के राज्यपाल जिष्णुदेव वर्मा शामिल हुए। सीमा सिंह, उनके ससुर वासुदेव नारायण सिंह, पति मृत्युंजय सिंह ,दामाद शांतनु सिंह तथा विजय पाटिल ने महापर्व के पारंपरिक स्मृति चिन्ह से उनका स्वागत और सम्मान किया। इस अवसर पर सीमा सिंह के पुत्र श्रेय सिंह और बेटी मेघना सिंह भी उपस्थित रहे। राज्यपाल ने सीमा सिंह और उनके पूरे परिवार को छठ महापर्व की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह चार दिनों का व्रत कड़े अनुशासन, संयम, सुचिता और आत्मनियंत्रण का प्रतीक है। उन्होंने देशवासियों को भी छठ महापर्व की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह त्यौहार आप सभी के जीवन को खुशहाल बनाए। सीमा सिंह ने राज्यपाल का आभार मानते हुए कहा कि छठ महापर्व के अवसर पर आप का आगमन मेरे और मेरे परिवार के लिए अविस्मरणीय क्षण है।सीमा सिंह ने भी देशवासियों को छठ महापर्व की शुभकामनाएं दी।

बंगाल की खाड़ी में उठेगा एक और चक्रवाती तूफान, 20 नवंबर को तट से टकराने की आशंका

नई दिल्ली, 15 नवम्बर। बंगाल की खाड़ी में एक बार फिर चक्रवाती गतिविधियां तेज हो गई हैं। भारतीय मौसम विभाग (IMD) ने समुद्र में विकसित हो रहे नए मौसमी सिस्टम को लेकर अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग के अनुसार, दक्षिण-पूर्वी बंगाल की खाड़ी में बना गहरा दबाव जल्द ही चक्रवाती तूफान का रूप ले सकता है। इसे अक्वान नाम दिया जाएगा। यदि यह तूफान विकसित होता है तो एक महीने के भीतर बंगाल की खाड़ी में बनने वाला यह तीसरा चक्रवात होगा। इसके संभावित असर को देखते हुए तमिलनाडु और दक्षिणी आंध्र प्रदेश के तटीय इलाकों में मौसम पर नजर रखी जा रही है।

मौसम संबंधी जानकारी के मुताबिक, समुद्र में बना यह सिस्टम अब श्रीलंका से दूर बढ़ रहा है। हालांकि, इसके प्रभाव से श्रीलंका के कई हिस्सों में बादल छाए रहने, बारिश होने और तेज हवाएं चलने की संभावना है। तटीय क्षेत्रों में समुद्र की स्थिति खराब होने और ऊंची लहरें उठने की आशंका को देखते हुए मछुआरों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है।

IMD के ताजा बुलेटिन के अनुसार, दक्षिण-पूर्वी बंगाल की खाड़ी में बना कम दबाव का क्षेत्र उत्तर-उत्तर-पश्चिम दिशा में आगे बढ़ते हुए गहरे दबाव में बदल चुका है। रविवार सुबह यह पोर्ट ब्लेयर से लगभग 700 किलोमीटर, चेन्नई से 860 किलोमीटर, विशाखापत्तनम से 1,040 किलोमीटर और ओडिशा के गोपालपुर से करीब 1,160 किलोमीटर दूर समुद्र में स्थित था। मौसम विभाग का अनुमान है कि यह सिस्टम सोमवार को चक्रवाती तूफान में तब्दील हो सकता है। इसके बाद 17 नवंबर तक इसकी तीव्रता और बढ़ने की संभावना है। अनुमान है कि यह भीषण चक्रवाती तूफान का रूप भी ले सकता है।मौसम वैज्ञानिक लगातार इस सिस्टम की दिशा और गति पर नजर बनाए हुए हैं। निजी मौसम ब्लॉगर हेमचंदर के अनुमान के मुताबिक, यह सिस्टम अगले एक-दो दिनों तक दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी के ऊपर रहने के बाद पश्चिम दिशा की ओर मुड़ सकता है। इसके बाद इसके उत्तरी तमिलनाडु और दक्षिणी आंध्र प्रदेश के तटीय इलाकों की तरफ बढ़ने की संभावना है। अनुमान जताया जा रहा है कि चक्रवात 19 नवंबर की रात या 20 नवंबर की सुबह एन्नोर और कुड्डालोर के बीच तट से टकरा सकता है।

DAKS REHAB CENTRE
(PARALYSIS PHYSIOTHERPHY CENTER AND OLD AGE HOME)
Contact us: 9820519851
विल्डिंग नंबर 3, प्लॉट नंबर 3, आदर्श घरकुल सोसायटी सायन कोलीवाडा जीटीबी नगर मुंबई-37
* Stroke/Paralysis/Complete Rehab Centre
* बाहर से आये रोगी और उनके परिजनो के ठहरने कि व्यवस्था
* वृद्ध लोगों के लिए रहने की सुविधा उपलब्ध
* DM/HT/THYROID इन सब से कैसे बचें
* NGO में मिलनेवाली सहायता को लोगों में देना
* चिकिस्ता उपकरणो को किराये और बिक्री सुविधा उपलब्ध
* एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध
* पोस्ट ऑपरेटिव रिहैब सेंटर
* मरीजों के लिए घर पर 12 और 24 घंटे जीडीए परिचारक
* विशेषज्ञ डॉक्टरो से ऑनलाइन और ऑफलाइन परामर्श की सुविधा उपलब्ध
* मासिक ईएमआई के आधार पर व्यक्तीयों, परिवारो और माता-पिता के लिए स्वास्थ्य निती की चिकिस्ता सुविधा उपलब्ध



NEW LIGHT CLASSES
TRADITION OF EXCELLENCE
2nd Floor, Sheetal Bldg. Near Diamond Talkies, L. T. Road, Borivali (West) Mumbai - 400 092 Maharashtra
ADMISSIONS OPEN
ALL OVER INDIA
ENROLL NOW



SMART CLASSROOM
(ONLINE/OFFLINE)
Courses Offered
Std. XI & XII (Sci.)
NEET
JEE (Main & Advance)
MHT-CET
Polytechnic & Engg
Physics and Maths (ICSE, CBSE, ISC)
M: 9833240148 | E: edu@newlightclasses.com | W: www.newlightclasses.com

TIWARI'S SARASWATI CLASSES
Since 1992
Parents' First Choice for 34+ Years
Prof. Dr. Dayanand Tiwari
Founder & Academic Director
ADMISSIONS OPEN
9th | 10th | 11th | 12th SCIENCE
NEET | JEE | MHT-CET
10 DAYS FREE DEMO
Attend Classes • Experience Our Teaching
Take Admission After Satisfaction
(No Hidden Conditions)
34+ Years of Academic Excellence
Experienced & Dedicated Faculty
Personal Attention
Printed Notes & Regular Tests
Strong Foundation for Boards & Competitive Exams
Santacruz Branch
101 Sai Chambers, Opp. Santacruz Railway Station (East), Near Depot, Santacruz (E), Mumbai-400055
Sion Branch
Opp. SIES College (Old), Near Gurukripa Hotel, Sion (West), Mumbai
Limited Seats / Small Batch Size
CALL NOW:
7738007373

भैंस के बहाने योगी-अखिलेश की सियासत



स्वदेश कुमार

उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में अब केवल तीन महीने बाकी हैं, लेकिन नेताओं की जुबान बता रही है कि 2027 की लड़ाई का दबाव अभी से सिर चढ़कर बोलने लगा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को अखिलेश यादव पर हमला करने के लिए भैंस का सहारा लेना पड़ा और अखिलेश को अपने बचाव में भगवान कृष्ण और गोपालकों को आगे करना पड़ा। विवाद की शुरूआत अखिलेश के उस बयान से हुई, जिसमें उन्होंने उत्तराखंड के लोगों को उत्तर प्रदेश का सबसे बड़ा घुसपैठिया बताया। जवाब में योगी ने कहा कि उत्तराखंड की बेटी न होती तो अखिलेश सैफई में भैंस चरा रहे होते। दोनों नेताओं ने एक-दूसरे पर हमला किया, लेकिन इस तमाशे में सबसे बड़ा सवाल गायब हो गया कि उत्तर प्रदेश की जनता आखिर इन दोनों से अपने भविष्य का हिसाब कब मांगेगी? अखिलेश यादव की राजनीति पीडीए यानी पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यकों को एक मंच पर लाने के दावे पर खड़ी है। ऐसे में दूसरे प्रदेश से आकर यूपी में बसे लोगों को घुसपैठिया बताना उनकी राजनीति के लिए खुद अपने पैर पर कुल्हाड़ी मारने जैसा है। क्या देश के भीतर किसी राज्य से दूसरे राज्य में जाकर बसना अपराध है? क्या उत्तराखंड से आया व्यक्ति उत्तर प्रदेश का नागरिक नहीं हो सकता? अखिलेश की टिप्पणी केवल राजनीतिक विरोधियों पर हमला नहीं थी, बल्कि उन हजारों परिवारों की भावनाओं पर चोट थी, जिनकी जड़ें एक प्रदेश में और रोजी-रोटी दूसरे प्रदेश में है। सपा की सफाई अपनी जगह, लेकिन अखिलेश को अपनी गलती स्वीकार करनी चाहिए। राजनीति में हर विवाद को भाजपा की साजिश बताकर जिम्मेदारी से नहीं बचा जा सकता।

भाजपा ने अखिलेश की इस चूक को तुरंत उत्तराखंड के स्वाभिमान से जोड़ दिया। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने रामपुर तिराहा कांड की याद दिलाई। दो अक्टूबर 1994 को अलग उत्तराखंड की मांग कर रहे आंदोलनकारियों पर मुजफ्फरनगर में पुलिस गोलीबारी हुई थी। सात लोगों की मौत हुई और महिलाओं के साथ दुर्व्यवहार के आरोपों ने इस घटना को उत्तराखंड के इतिहास का गहरा जख्म बना दिया। उस समय मुलायम सिंह यादव उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री थे। उनकी सरकार से जवाब मांगना बिल्कुल जायज है। लेकिन सवाल यह भी है कि भाजपा इस दर्द को केवल अखिलेश को घेरने के लिए क्यों याद करती है? उत्तराखंड की जनता को केवल चुनाव के समय स्वाभिमान याद दिलाने से रोजगार, पलायन और विकास की समस्याएं खत्म नहीं होतीं। इतिहास का सम्मान तभी है, जब वर्तमान की जिम्मेदारी भी उठाई जाए। अब योगी के बयान पर आइए। मुख्यमंत्री का कहना कि उत्तराखंड की बेटी न होती तो अखिलेश भैंस चरा रहे होते, क्या किसी मुख्यमंत्री की गरिमा के अनुकूल है? भैंस चराना कोई शर्मनाक पेशा नहीं है। इसी मेहनत से लाखों परिवारों का घर चलता है। दूध बेचकर बच्चों को पढ़ाने वाले लोग क्या इसलिए कमतर हैं कि उनकी आजीविका पशुपालन है? योगी को अखिलेश पर हमला करना था, लेकिन उन्होंने अनजाने में उस श्रम को ही कटाक्ष का विषय बना दिया, जिसे सम्मान देने की बातें सरकार करती है। सत्ता में बैठा व्यक्ति जब किसी पेशे को अपमान का प्रतीक बनाता है तो उसका संदेश केवल विपक्ष तक सीमित नहीं रहता। मुख्यमंत्री को अपनी भाषा की जिम्मेदारी समझनी चाहिए।

अखिलेश ने इसे भगवान कृष्ण और गोपालकों का अपमान बताकर धार्मिक रंग दे दिया। लेकिन सवाल है कि क्या गोपालकों की चिंता केवल राजनीतिक विवाद के समय ही याद आती है? उत्तर प्रदेश में लाखों परिवार पशुपालन से जुड़े हैं। 2019 की पशुगणना में प्रदेश में 330.17 लाख भैंसें और 190.20 लाख गोवंश दर्ज किए गए थे। इतनी बड़ी ग्रामीण अर्थव्यवस्था के बावजूद पशुपालक दूध के उचित दाम, महंगे चारे, पशुओं के इलाज और भुगतान में देरी जैसी समस्याओं से जूझते हैं। किसान छुट्टा पशुओं से अपनी फसल बचाने के लिए रातभर खेतों में पहरा देता है। सरकार बताए कि पशु अस्पतालों में डॉक्टर और दवाएं कितनी उपलब्ध हैं। अखिलेश भी बताएं कि उनकी सरकार में पशुपालकों की इन समस्याओं का कितना समाधान हुआ। कृष्ण का नाम लेने से गोपालक की आमदनी नहीं बढ़ती और भैंस का मजाक उड़ाने से किसान की परेशानी कम नहीं होती। इस विवाद के पीछे 2027 का चुनावी गणित भी साफ दिखाई देता है। 2022 के विधानसभा चुनाव में भाजपा ने 255 सीटें जीतकर सरकार बनाई थी, जबकि सपा 111 सीटों पर सिमटी थी। भाजपा को 41.29 प्रतिशत और सपा को 32.06 प्रतिशत वोट मिले थे। 2024 के लोकसभा चुनाव में तस्वीर बदली। सपा ने 37 और भाजपा ने 33 सीटें जीतीं। सपा इस नतीजे को अपने पीडीए गठबंधन की सफलता मानती है, जबकि भाजपा अपने सामाजिक आधार को दोबारा मजबूत करने में जुटी है। भाजपा गैर-यादव पिछड़े और दलित मतदाताओं को अपने साथ बनाए रखना चाहती है। सपा मुस्लिम, यादव, पिछड़े और दलित मतदाताओं के समर्थन को विधानसभा तक पहुंचाना चाहती है। ऐसे में उत्तराखंड के लोगों पर अखिलेश की टिप्पणी भाजपा को नया राजनीतिक हथियार दे रही है। मगर 2024 के नतीजे 2027 की गारंटी नहीं हैं। दोनों दलों को जनता के सामने अपना काम रखना होगा।

योगी सरकार को सत्ता संभाले नौ साल से अधिक हो चुके हैं। अब हर समस्या का ठीकरा पिछली सरकारों पर फोड़कर जिम्मेदारी से बचने का समय नहीं है। सरकार 9.5 लाख से अधिक नियुक्तियों का दावा करती है और नियुक्ति पत्र बांटने के समारोह को उपलब्धि बताती है। लेकिन युवाओं का सवाल है कि सरकारी विभागों में कितने पद खाली हैं, कितनी भर्तियां लंबित हैं और कितने चयनित अभ्यर्थियों को नौकरी मिली? निवेश के बड़े दावों के बावजूद जमीन पर कितने कारखाने लगे और कितने स्थानीय युवाओं को रोजगार मिला? किसान की लागत, महंगाई, सरकारी स्कूलों में शिक्षकों की कमी, अस्पतालों में डॉक्टरों की अनुपलब्धता और महिला सुरक्षा पर सरकार को ठोस आंकड़ों के साथ जवाब देना चाहिए। नौ साल की सत्ता के बाद केवल दावे नहीं, नतीजे दिखाने पड़ेंगे। अखिलेश भी अपनी जिम्मेदारी से बच नहीं सकते। उनकी पिछली सरकार की कानून-व्यवस्था, बिजली, भर्ती और प्रशासनिक फैसलों पर जनता के सवाल आज भी मौजूद हैं। सत्ता में लौटने की इच्छा रखने वाले नेता को बताना होगा कि पिछली गलतियों से क्या सीखा है। केवल पीडीए का नारा लगाने से पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यक समुदायों की समस्याएं हल नहीं होंगी। रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक सम्मान पर स्पष्ट योजना देनी होगी। वाराणसी में पाल समाज पर लाठीचार्ज और अहिल्याबाई होल्कर की प्रतिमा से जुड़े आरोपों पर भी राजनीति के बजाय निष्पक्ष जांच और तथ्य सामने आने चाहिए। दरअसल, भैंस का विवाद योगी और अखिलेश दोनों की राजनीतिक प्राथमिकताओं का आईना है। एक मुख्यमंत्री नौ साल से अधिक शासन के बाद भी विपक्षी नेता को पेशे के नाम पर चिढ़ाने में अपनी ताकत दिखा रहा है, तो विपक्ष का नेता अपने विवादित बयान की जिम्मेदारी लेने के बजाय धार्मिक प्रतीकों में जवाब तलाश रहा है। जनता को इन दोनों में से किसी का तमाशा नहीं चाहिए। उसे नौकरी चाहिए, किसान को फसल का दाम चाहिए, पशुपालक को दूध की उचित कीमत चाहिए और परिवार को महंगाई से राहत चाहिए। चुनाव में जनता नेताओं की भाषा नहीं, उनके काम का हिसाब करेगी। भैंस किसकी राजनीति में बंधी है, यह नेताओं का सवाल है; जनता का सवाल है कि सत्ता और विपक्ष उसकी जिंदगी की बदहाली से कब बाहर निकलेंगे?

एक तरफ 'सिंदूर' का शौर्य, दूसरी तरफ स्वागत की औपचारिकता: यह कैसी मजबूरी?



अशोक भाटिया

अंतरराष्ट्रीय राजनीति की सबसे बड़ी और कड़वी विडंबना यही है कि वहां मानवीय भावनाओं, जन-आक्रोश और नैतिक सिद्धांतों की आयु अक्सर बहुत कम होती है। वैश्विक मंचों पर अंततः वही होता है जिसे सत्ता के गलियारों में 'व्यावहारिक कूटनीति', 'वैश्विक दायित्व' या 'प्रोटोकॉल' का नाम देकर जायज ठहराया जाता है। 'ऑपरेशन सिंदूर' के ठीक बाद पाकिस्तान के संघीय जलवायु परिवर्तन मंत्री डॉ. मुसादिक मसूद मलिक के 20 से 22 नवंबर 2026 को नई दिल्ली में आयोजित होने वाले 'शंघाई सहयोग संगठन' के 'सभ्यतागत संवाद फोरम' में शामिल होने की आधिकारिक पुष्टि ने आम भारतीय नागरिक के मन में जिस गहरी बेचैनी, असमंजस और विरोधाभास को जन्म दिया है, वह न केवल स्वाभाविक है बल्कि पूरी तरह न्यायसंगत भी है। एक तरफ हमारे वीर जवानों और निर्दोष नागरिकों के लहू के निशान अभी सूखे भी नहीं हैं, और दूसरी तरफ हम उसी देश के एक ऐसे प्रतिनिधि के स्वागत के लिए अंतरराष्ट्रीय नियमों की आड़ में दरवाजे खोल रहे हैं, जिसने कुछ ही महीने पहले सिंधु जल संधि को लेकर भारत को खुली धमकी दी थी। यह स्थिति किसी भी संवेदनशील और स्वाभिमानी समाज को भीतर तक झकझोरने के लिए पर्याप्त है। इस घटनाक्रम ने एक बार फिर यह तीखी बहस छेड़ दी है कि क्या एक राष्ट्र के रूप में हमारी घोषित नीतियां केवल घरेलू जनमानस को संतुष्ट करने के लिए हैं, या फिर वैश्विक कूटनीति की जटिलताएं हमें अपने ही सिद्धांतों से समझौता करने पर विवश कर देती हैं।

जब हम इस पूरे घटनाक्रम को किसी सरकारी प्रवक्ता या पारंपरिक कूटनीतिक विश्लेषक के चश्मे से न देखकर एक स्वतंत्र, निर्भीक और तार्किक दृष्टिकोण से परखते हैं, तो सबसे पहले यह स्वीकार करना होगा कि 'खून और बातचीत साथ-साथ नहीं चल सकते' और 'खून और पानी एक साथ नहीं बह सकते' जैसे प्रखर नारे जनभावनाओं को स्वर देने के लिए तो अत्यंत प्रभावी होते हैं, लेकिन बहुपक्षीय वैश्विक मंचों की कठोर वास्तविकताओं के आगे ये अक्सर बौने साबित होने लगते हैं। सच तो यह है कि आज की आपस में जुड़ी हुई दुनिया में कोई भी उभरती हुई महाशक्ति पूरी तरह अलग-थलग रहकर केवल अपनी शर्तों पर अंतरराष्ट्रीय नियम नहीं चला सकती। जब आप शंघाई सहयोग संगठन जैसे प्रभावशाली क्षेत्रीय मंचों की मेजबानी का बीड़ा उठाते हैं, तो आपको उन लिखित और अलिखित नियमों को भी निगलना पड़ता है जो आपके राष्ट्रीय स्वाभिमान को सीधे तौर पर चुभते हैं। मई 2023 में बिलावल भुट्टो जरदारी की गोवा यात्रा के तीन साल बाद हो रहा मुसादिक मलिक का यह दिल्ली दौरा किसी दोस्ती की पहल या शांति के नए अध्याय की शुरूआत नहीं है, बल्कि यह उस अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था का परिणाम है जहां मेजबान देश को अपने सबसे कट्टर शत्रु को भी औपचारिक निमंत्रण पत्र भेजने के लिए बाध्य होना पड़ता है।

यहां एक अत्यंत गहरा और असहज करने वाला वैचारिक प्रश्न यह उठता है कि क्या हम बहुपक्षीय मंचों की मजबूरी के नाम पर अपने ही घोषित नैतिक और रणनीतिक सिद्धांतों की धार को कुंद नहीं कर रहे हैं? जब देश का आम नागरिक यह सुनता और देखता है कि सरकार ने पाकिस्तान के साथ हर तरह का व्यापार बंद कर दिया है, सिंधु जल संधि जैसे ऐतिहासिक समझौतों को स्थगित कर दिया है और हर प्रकार के द्विपक्षीय संवाद के दरवाजे पूरी तरह बंद हैं, तो उसके मन में एक

हिन्दी दैनिक उत्तरशक्ति मार्गदर्शन

स्पष्ट और अडिग लक्ष्मण रेखा खिंच जाती है। वह मान बैठता है कि अब किसी भी स्तर पर पाकिस्तान के साथ कोई संपर्क नहीं होगा। लेकिन जब अचानक वही नागरिक समाचारों में यह देखता है कि भारत ने मूल रूप से पाकिस्तान के संस्कृति मंत्री औरंगजेब खान खिची को न्योता भेजा था, और अब उनके स्थान पर इस्लामाबाद ने मुसादिक मलिक को दिल्ली भेजने का फैसला किया है, तो आम आदमी खुद को ठगा हुआ और भ्रमित महसूस करता है। यह विडंबना तब और भी कड़वी हो जाती है जब हम याद करते हैं कि इसी मुसादिक मलिक ने जून 2026 में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान बेहद आक्रामक लहजे में कहा था कि पाकिस्तान उन हाथों को काट देगा जो सिंधु नदी के पानी को रोकने की कोशिश कर रहे हैं। जिस देश की राजकीय नीतियों में भारत के प्रति घृणा और सीमा पार से हिंसा भेजने की मानसिकता गहराई तक रची-बसी हो, उसके ऐसे तल्ख बयानबाज प्रतिनिधि के साथ दिल्ली के ऐतिहासिक पुराना किला में बैठकर 'साझा सभ्यता, इतिहास और संस्कृति' पर संवाद करना किसी क्रूर व्यंग्य से कम नहीं लगता। कूटनीति की किताबी भाषा में यह भले ही 'परिपक्वता' और 'बड़प्पन' कहलाए, लेकिन एक साधारण देशभक्त नागरिक की नजर में यह सिद्धांतों से विचलन ही प्रतीत होता है।

इसके बावजूद, यदि हम भावनाओं के ज्वार से थोड़ा ऊपर उठकर भू-राजनीतिक यथार्थ के धरातल पर खड़े हों, तो सिक्के का दूसरा पहलू भी उतना ही कठोर और स्पष्ट दिखाई देता है। पाकिस्तानी मंत्री किसी सद्भावना या प्रेम भाव से दिल्ली की यात्रा पर नहीं आ रहे हैं, बल्कि वे अपनी डूबती हुई अंतरराष्ट्रीय साख बचाने के लिए विवश होकर आ रहे हैं। पाकिस्तान आज आंतरिक अस्थिरता, आर्थिक दिवालियेपन और वैश्विक अलगाव से जूझ रहा एक ऐसा देश है, जिसे यह गहरा डर सता रहा है कि यदि उसने भारत द्वारा आयोजित इस मंच का बहिष्कार किया, तो अगले वर्ष यानी 2027 में जब इस्लामाबाद में एससीओ का मुख्य शिखर सम्मेलन आयोजित होगा तो भारत भी उसका पूर्ण बहिष्कार कर देगा। ऐसी स्थिति में पाकिस्तान की मेजबानी पूरी तरह विफल हो जाएगी और अंतरराष्ट्रीय बिरादरी में उसकी रही-सही प्रतिष्ठा भी मिट्टी में मिल जाएगी। यही कारण है कि इस्लामाबाद ने एक कम चर्चित मंत्री के बजाय एक अनुभवी और वरिष्ठ कैबिनेट मंत्री को दिल्ली भेजने का दांव चला है, ताकि वह 2027 के शिखर सम्मेलन के लिए रास्ता साफ कर सके। दूसरी तरफ, भारत के सामने भी एक गंभीर कूटनीतिक चुनौती थी। यदि भारत मेजबान होने के नाते पाकिस्तान को न्योता न देता, तो चीन और रूस जैसे संगठन के प्रमुख सदस्य देशों को भारत पर यह आरोप लगाने का सीधा अवसर मिल जाता कि नई दिल्ली अपने द्विपक्षीय झगड़ों को एक बहुपक्षीय अंतरराष्ट्रीय संगठन के कामकाज के बीच ला रही है। इससे वैश्विक मंचों की मेजबानी करने की भारत की निष्पक्षता पर प्रश्नचिह्न लग सकता था। यानी, यह पूरा घटनाक्रम दो देशों की आपसी मजबूरियों और वैश्विक शक्ति संतुलन को साधने की एक जटिल कवायद मात्र है, न कि रिश्तों की जमी हुई बर्फ पिघलाने की कोई सदिच्छा।

इस पूरे विमर्श में सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि आखिर इस दौरे से भारत को क्या ठोस लाभ या हानि होने वाली है। यदि हम किसी भ्रम में न रहें और यथार्थवादी आकलन करें, तो यह स्पष्ट रूप से कहा जा सकता है कि इस यात्रा से भारत को कोई भी ठोस जमीनी, सामरिक या सुरक्षा संबंधी लाभ नहीं मिलने वाला है। न तो इस औपचारिक उपस्थिति से सीमा पार से होने वाली आतंकी घुसपैठ रुकने वाली है, न ही पाकिस्तानी सेना और वहां की खुफिया एजेंसी की भारत विरोधी मानसिकता में रत्ती भर भी बदलाव आने वाला है। यदि भारत को इस पूरे प्रकरण से कोई लाभ दिखता है, तो वह केवल प्रतीकात्मक और कूटनीतिक स्तर पर ही सीमित है। इसके माध्यम से भारत विश्व समुदाय को यह संदेश देने में सफल रहेगा कि वह एक जिम्मेदार और परिपक्व वैश्विक शक्ति है जो अपने व्यक्तिगत आक्रोश और द्विपक्षीय विवादों को अंतरराष्ट्रीय दायित्वों के निर्वहन में बाधक नहीं बनने देता। इसके अतिरिक्त, भारत अपनी ही धरती से दुनिया के प्रभावशाली देशों के सामने पाकिस्तान की प्रत्यक्ष मौजूदगी में सीमा पार आतंकवाद और दोहरे मानदंडों के मुद्दे को उठाकर उस पर एक प्रकार का नैतिक दबाव बना सकता है। परंतु इतिहास का अनुभव हमें यह भी सिखाता है कि पाकिस्तान जैसे राष्ट्र पर नैतिक दबाव या अंतरराष्ट्रीय शर्मिंदगी का असर न तो पहले कभी हुआ है और न ही भविष्य में होने की कोई तार्किक उम्मीद की जा सकती है।

इस यात्रा को लेकर मीडिया के एक वर्ग और कुछ तथाकथित शांतिवादियों द्वारा यह जो माहौल बनाया जा रहा है कि इससे दोनों देशों के बीच जमी रिश्तों की बर्फ पिघल सकती है, वह पूरी तरह से निराधार और आत्मघाती सोच है। हमें इस कड़वी सच्चाई को बिना किसी लाग-लपेट के स्वीकार करना होगा कि भारत और पाकिस्तान के संबंधों की यह बर्फ किसी औपचारिक सम्मेलन में औपचारिक अभिवादन करने, एक ही सभागार में बैठने या प्रोटोकॉल निभाने से कभी नहीं पिघल सकती। यह बर्फ दशकों के विश्वासघात, आतंकी हमलों और निर्दोषों के रक्त से इतनी मोटी और जहरीली हो चुकी है कि इसे पिघलाने के लिए कूटनीतिक शब्दों या सम्मेलनों की नहीं, बल्कि ईमानदार नीयत और ठोस कार्रवाई की गर्मी चाहिए। जब तक पाकिस्तान अपनी धरती से भारत के विरुद्ध संचालित होने वाले आतंकी तंत्र को जड़ से समाप्त नहीं करता, तब तक किसी भी प्रकार के सामान्य संबंधों की कल्पना करना स्वयं को धोखा देने के समान है।

दुनिया के 'नफरती शासकों' के लिये सन्देश हैं अमेरिकी उपचुनाव



-तनवीर जाफरी

अमेरिकी मध्यावधि चुनावों में डेमोक्रेटिक पार्टी ने शानदार जीत दर्ज करते हुए अमेरिकी संसद (कांग्रेस) के दोनों सदनों यानी सीनेट और हाउस ऑफ रिप्रेजेनटेटिव्स पर पूर्ण नियंत्रण हासिल कर लिया है।रिपब्लिकन पार्टी के दोनों सदनों में बहुमत खोने के बाद अब ट्रंप के शेष कार्यकाल के लिए अमेरिका में ₹विभाजित सरकार₹ की स्थिति बन गई है। 13 नवंबर 2026 तक घोषित आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार ऊपरी सदन यानी 100 सीटों वाली यूएस सीनेट ने 55 सीटें जीतकर स्पष्ट बहुमत हासिल कर लिया है। डेमोक्रेटिक पार्टी में दो निर्दलीय सांसद भी शामिल हैं जो डेमोक्रेट्स के साथ गठबंधन में हैं। जबकि सत्तारूढ़ रिपब्लिकन पार्टी 44 सीटों पर सिमट गई है। इसी तरह कुल 435 सीटों वाले निचले सदन यानी यूएस हाउस ऑफ रिप्रेजेनटेटिव्स में जहां बहुमत के लिए 218 सीटों की आवश्यकता होती है। अब तक घोषित 424 सीटों में से डेमोक्रेटिक पार्टी ने 255 सीटें जीत ली हैं, जबकि रिपब्लिकन पार्टी को 169 सीटें मिली हैं। यह पिछले 112 वर्षों में हाउस चुनावों में डेमोक्रेट्स की दूसरी सबसे बड़ी जीत बताई जा रही है। कई रिपब्लिकन गढ़ों में सेंध लगाते हुये डेमोक्रेटिक उम्मीदवारों ने उन राज्यों में भी कई सीनेट सीटें जीतीं जिन्हें पारंपरिक रूप से रिपब्लिकन गढ़ माना जाता है। इनमें आयोवा,नॉर्थ कैरोलिना, मेन (ट्रॉय डेल जैक्सन), साउथ कैरोलिना (एनी एंड्रयूज) और मिसिसिपी (स्कॉट कोलोम) जैसी सीटें शामिल हैं। इसी तरह जॉर्जिया में डेमोक्रेट कीशा लांस बॉटम्स अमेरिका के किसी भी राज्य की गवर्नर चुनी जाने वाली पहली अश्वेत महिला बनीं। वहीं न्यू मैक्सिको में डेब हैलैंड अमेरिका की पहली मूल अमेरिकी महिला गवर्नर चुनी गईं। मिशिगन से अब्दुल अल-सैयद देश के पहले मुस्लिम सीनेटर और न्यू हैम्पशायर से क्रिस पप्पास पहले खुले तौर पर समलैंगिक पुरुष सीनेटर चुने गए हैं। माना जा रहा है कि जनवरी 2027 में नई कांग्रेस के शपथ लेने के बाद राष्ट्रपति ट्रंप के लिए अपने विधायी एजेंडे को आगे बढ़ाना अब बेहद कठिन हो जाएगा। सीनेट और हाउस दोनों पर नियंत्रण होने के कारण डेमोक्रेटिक पार्टी अब राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा की जाने वाली न्यायिक और कैबिनेट नियुक्तियों को रोकने की शक्ति रखेगी। इसके साथ ही, डेमोक्रेटिक नेतृत्व वाली संसदीय समितियां व्हाइट हाउस के कामकाज और नीतियों की जांच भी शुरू कर सकेंगी।

अब सवाल यह है कि क्या शांतिप्रिय अमेरिकी जनता को ट्रंप की 'मागा''Make America Great Again मुहीम रास नहीं आयी या फिर वे 'MAGA' की आड़ में छुपे ट्रंप के नफरती व पूंजीवादी एजेंडे को पहचान गये ? दरअसल ईरान पर अमेरिका द्वारा अकारण युद्ध थोपे जाने और गजा नरसंहार के नायक बेंजमिन नेतन्याहू के लगभग हर मानवता विरोधी मिशन में उसका साथ देते रहने वाले ट्रंप ने अपने भाषणों में साम्प्रदायिकता का जहर उगलकर पिछले दिनों हुये अमेरिकी उपचुनावों को भी नफरती रंग देने की भरपूर कोशिश की। उन्होंने चुनाव अभियानों के दौरान डेमोक्रेटिक पार्टी के मुस्लिम उम्मीदवारों के खिलाफ कई तीखे और विवादास्पद बयान दिए। इनमें आतंकवाद से जोड़ना, नागरिकता पर सवाल उठाना, नाम बिगाड़ना और धार्मिक कानून का डर दिखाना आदि शामिल था। मिसाल के तौर पर मिशिगन से यूएस सीनेट का चुनाव जीतने वाले डेमोक्रेटिक उम्मीदवार अब्दुल अल-सैयद चुनाव प्रचार के दौरान ट्रंप के निशाने पर रहे। ट्रंप ने मिशिगन की चुनावी रैलियों में अल-सैयद को बार-बार क्रूर, हिंसक व जिहादी₹ कहा। ट्रंप ने कहा कि वे मिशिगन इसलिए आए हैं ताकि ₹एक जिहादी 'मुस्लिम ब्रदरहुड' सदस्य को अमेरिकी सीनेटर बनने से रोका जा सके₹। चुनाव से ठीक पहले 1 नवंबर 2026 को एक रैली में ट्रंप ने कहा था कि यदि अल-सैयद चुनाव जीत जाते हैं, तो सीनेट में प्रवेश करने से पहले उनकी जांच करने के लिए वहां 'मेटल डिटेक्टर' लगाने पड़ेंगे। उन्होंने अपने भाषणों में जानबूझकर अब्दुल अल-सैयद को ₹मोहम्मद₹ कहकर संबोधित किया। ट्रंप के नफरती बयान की हद तो यह है कि ट्रंप ने मतदाताओं से अपील की कि वे अल-सैयद को हराकर ₹उन्हें वापस वहीं भेज दें जहां से वे आए हैं₹। जबकि अल-सैयद का जन्म अमेरिका के मिशिगन में ही हुआ है। इसके अतिरिक्त ट्रंप ने अल-सैयद का विरोध करने के लिए 9/11 आतंकी हमलों की तस्वीरों का भी इस्तेमाल किया।

इतना ही नहीं बल्कि ट्रंप ने हाउस ऑफ रिप्रेजेनटेटिव्स अर्थात प्रतिनिधि सभा की वर्तमान मुस्लिम सदस्यों इल्हान उमर और रशीदा तालिब पर भी तीखे व्यक्तिगत और राजनीतिक हमले किए। उन्होंने उमर के मूल देश सोमालिया का उपहास उड़ाते हुए कहा कि वह ₹एक ऐसे देश से आती हैं जो असल में एक देश भी नहीं है₹। अगस्त 2026 में ट्रंप ने सोमाली मूल के लोगों और नेताओं पर निशाना साधते हुए कहा था कि ₹वे बुद्धिमान नहीं हैं, उनमें कोई योग्यता नहीं है और वे हमें बता रहे हैं कि हमें अपना देश कैसे चलाना है।₹ इसी दौरान उन्होंने ओवल ऑफिस में कहा कि ₹हमारे यहां हर जगह जिहादी चुने जा रहे हैं।₹ इसी तरह ट्रंप ने मिशिगन से सांसद रशीदा तालिब और इल्हान उमर के लिए बार-बार कहा कि उन्हें अपने ₹मूल देशों₹ (फिलिस्तीन और सोमालिया) वापस चले जाना चाहिए, जबकि रशीदा तालिब का भी जन्म अमेरिका में ही हुआ है। ट्रंप द्वारा केवल कुछ मुस्लिम उम्मीदवारों पर व्यक्तिगत रूप से ही नहीं, बल्कि पूरे डेमोक्रेटिक खेमे के मुस्लिम नेताओं को लेकर ट्रंप और उनके सहयोगियों ने एक व्यापक नैरेटिव तैयार किया था। ट्रंप और रिपब्लिकन नेताओं ने चुनाव प्रचार में यह दावा किया था कि मुस्लिम उम्मीदवारों के जीतने से अमेरिका में शरिया कानून लागू हो जाएगा। नफरती ट्रंप ने बिना किसी सबूत के मुस्लिम उम्मीदवारों पर कई प्रतिबंधित संगठनों और ₹मुस्लिम ब्रदरहुड₹ से जुड़े होने तक के झूठे व बेबुनियाद आरोप लगाए और अमेरिका के प्रति उनकी निष्ठा पर सवाल उठाए। गौरतलब है कि 2025 के न्यूयॉर्क शहर के मेयर चुनाव अभियान के दौरान उन्होंने जोहरान ममदानी के खिलाफ भी कई तीखे, व्यक्तिगत,नस्लवादी व अपमानजनक शब्दों का इस्तेमाल किया था।उन्होंने ममदानी को 100% पागल कम्युनिस्ट ,आपदा, अनाकर्षक ,विदेशी, देश विरोधी,न्यूयार्क को बर्बाद करने वाला बताते हुए उनपर इस्लामोफोबिक हमले किए थे। परन्तु ममदानी को भी न्यूयार्क के लोगों ने मेयर चुनाव में विजयी बनाया। रिपब्लिकन पार्टी विशेषकर ट्रंप द्वारा अमेरिकी चुनाव के इतिहास में किये गये इस तरह के सांप्रदायिकतावादी दुष्प्रचार का अमेरिका में पुरजोर विरोध किया गया। पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा और बिल क्लिंटन जैसे कई बड़े नेताओं ने ट्रंप द्वारा मुसलमानों के विरुद्ध किये जाने वाले दुष्प्रचार की आलोचना की। अनेक संगठनों ने भी ट्रंप की इस नफरती बयानबाजी की निंदा करते हुए इसे ₹नस्लवादी₹ करार दिया। उधर इस आक्रामक और इस्लामोफोबिक प्रचार का उल्टा असर यह हुआ कि इसने मुस्लिम और अल्पसंख्यक मतदाताओं को तो लामबंद किया ही साथ ही उदारवादी अमेरिकन ईसाईयों ने भी डेमोक्रेटिक पार्टी का समर्थन किया जिसके परिणामस्वरूप 2026 के चुनावों में रिकॉर्ड 7 मुस्लिम उम्मीदवार अमेरिकी कांग्रेस के लिए चुने गए। निःसंदेह अमेरिका के चुनाव दुनिया के 'नफरती शासकों' के लिये साफ सन्देश हैं कि नफरत की सियासत अधिक समय तक परवान नहीं चढ़ती।

जिनके काम को नहीं मिला उचित सम्मान



-संजय सक्सेना

हिंदी फिल्म संगीत के सुनहरे दौर की कल्पना कीजिए। एक तरफ नौशाद, शंकर-जयकिशन, एसडी बर्मन, मदन मोहन और रोशन जैसे नामों का दबदबा है, दूसरी तरफ एक ऐसा संगीतकार है, जिसकी धुनें घर-घर में बज रही हैं, लेकिन जिसकी चर्चा संगीत के बड़े दरबारों में उतनी नहीं होती। उसकी बनाई धुनों पर प्रेमी अपने प्यार का इजहार कर रहे हैं, विरह में डूबे लोग आंसू बहा रहे हैं और त्योहारों पर लोग झूम रहे हैं। इसके बावजूद उसे बड़े संगीतकारों की कतार में खड़ा करने में आलोचकों ने कंजूसी बरती। यह कहानी है महान संगीतकार चित्रगुप्त श्रीवास्तव की, जिन्होंने साबित किया कि संगीत की असली ताकत किसी बड़े बैनर या सितारे की मोहताज नहीं होती। चित्रगुप्त जी का जन्म 16 नवंबर 1917 को बिहार के गोपालगंज जिले के कमरैनी गांव में हुआ था। बचपन से ही संगीत के प्रति उनका झुकाव था। उन्होंने पंडित शिव प्रसाद त्रिपाठी से शास्त्रीय संगीत की विधिवत शिक्षा ली। मन में संगीतकार बनने की जिद ने 1945 में उन्हें मुंबई पहुंचा दिया। उस समय हिंदी सिनेमा में जगह बनाना आसान नहीं था। जबकि चित्रगुप्त जी की फिल्मी दुनिया में न पहचान थी, न किसी बड़े निमार्ता का सहारा। शुरूआती दिनों में उन्हें ऐसी फिल्में मिलीं, जिन्हें फिल्म उद्योग में बहुत प्रतिष्ठा नहीं दी जाती थी। अंबे तू है जगदंबे काली जैसी कालजयी रचना को धुन देकर उन्होंने इसे नवरात्रों और अन्य मौकों पर होने वाली पूजा का महत्वपूर्ण भजन बना दिया। आज उनके बेटे आनंद-मिलिंद उनकी संगीत की विरासत को आगे बढ़ा रहे हैं।

1946 में लेडी रॉबिनहुड से स्वतंत्र संगीत निर्देशन की शुरूआत करने वाले चित्रगुप्त को कई वर्षों तक संघर्ष करना पड़ा। फाइटिंग हीरो, तूफान क्वीन और सिंदबाद द सेलर जैसी फिल्मों में काम करते हुए उन्होंने अपनी धुनों को लगातार निखारा। 1952 में सिंदबाद द सेलर का गीत अदा से झूमते हुए दिलों को चूमते हुए लोकप्रिय हुआ। 1953 की नाग पंचमी में मेरी चुनरिया उड़ाए लिए जाए और आरती करो हरिहर की ने उनकी पहचान को विस्तार दिया। धीरे-धीरे कम बजट की फिल्मों के निमार्ता उनके पास आने लगे। लेकिन यहां एक विडंबना भी थी। जिस संगीतकार की धुनें फिल्मों को यादगार बना रही थीं, उसे उन्हीं फिल्मों की श्रेणी के आधार पर छोटा समझा जा रहा था। उस दौर में संगीतकारों की प्रतिष्ठा अक्सर उनके पारिश्रमिक और फिल्म के बजट से तय होती थी। एक प्रकाशित विवरण के मुताबिक चित्रगुप्त एक फिल्म के संगीत के लिए करीब दस हजार रुपये लेते थे, जबकि बड़े संगीतकारों की फीस इससे कहीं अधिक थी। यह अंतर उनकी प्रतिभा का नहीं, फिल्म उद्योग की व्यावसायिक हैसियत का था। चित्रगुप्त ने इस व्यवस्था के सामने अपनी धुनों की गुणवत्ता से जवाब दिया। 1955 की फिल्म शिवभक्त उनके करियर का महत्वपूर्ण पड़ाव बनी। दक्षिण भारत के प्रतिष्ठित एवीएम प्रोडक्शन के लिए संगीतकार सचिन देव बर्मन ने चित्रगुप्त का नाम सुझाया था। यह मामूली बात नहीं थी। उस दौर में स्थापित संगीतकार का किसी दूसरे संगीतकार की सिफारिश करना उसकी क्षमता की स्वीकृति थी। एवीएम के साथ उनका जुड़ाव आगे भाभी, मैं चुप रहूंगी और दूसरी फिल्मों तक पहुंचा। मगर बड़े बैनर का यह साथ उनके पूरे करियर की स्थायी पहचान नहीं बन सका। सवाल उठता है कि क्या किसी संगीतकार का मूल्यांकन उसकी फिल्म के बजट से किया जाना चाहिए या उसकी रचनाओं की उम्र से? चित्रगुप्त की सबसे बड़ी विशेषता उनकी मेलोडी थी। वह धुन को इतना सहज बनाते थे कि पहली बार सुनने वाला भी उसे गुनगुनाने लगता था। लेकिन इस सह

एनसीएच कॉलोनी, कांजुरमार्ग में श्रद्धा एवं भक्ति के साथ मनाया गया छठ महापर्व



लाल शेखर सिंह/मुंबई (उत्तरशक्ति)। श्री राम चर्चा समिति की ओर से कांजुरमार्ग (पूर्व), एनसीएच कॉलोनी में छठ महापर्व का भव्य एवं श्रद्धापूर्ण आयोजन किया गया। इस पावन अवसर पर भारतीय नौसेना के अधिकारियों, कर्मचारियों एवं उनके परिवारों सहित कॉलोनी के अनेक श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। छठ महापर्व के अवसर पर 15 नवंबर 2026 को व्रतियों ने अस्ताचलगामी सूर्य को प्रथम अर्घ्य अर्पित किया तथा 16 नवंबर 2026 को उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देकर भगवान सूर्य एवं छठी मैया की आराधना की। पूरे आयोजन के दौरान श्रद्धा, भक्ति एवं पारंपरिक रीति-रिवाजों का सुंदर संगम देखने को मिला। सभी छठ व्रतियों ने विधि-विधान एवं पूर्ण श्रद्धा के साथ छठ महापर्व मनाया तथा परिवार एवं समाज की सुख-समृद्धि और कल्याण की कामना की।

इस भव्य आयोजन को सफल बनाने में समिति के अध्यक्ष विनोद कुमार पांडेय, महासचिव सुरेंद्र सिंह यादव, संरक्षकगण श्याम बर्न सिंह, सुधीर मिश्रा, मुन्ना तिवारी, सत्येंद्र तिवारी, सुभाष मिश्रा एवं अखिलेश्वर कुमार श्रीवास्तव तथा कार्यकर्ता नीरज कुमार, अमलेश सिंह, मुन्ना सिंह, राकेश तिवारी, घनश्याम सिंह, कृष्ण मुरारी सिंह, जितेंद्र कुमार सिंह, ओमप्रकाश शुक्ला एवं मोहन कुमार का विशेष योगदान एवं सहयोग रहा। श्री राम चर्चा समिति ने सभी छठ व्रतियों, श्रद्धालुओं, सहयोगकर्ताओं एवं कॉलोनीवासियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए भविष्य में भी इसी प्रकार सामाजिक एवं धार्मिक आयोजनों में सामूहिक सहभागिता बनाए रखने की अपील की।

11 वर्षीय पवन कुमार लापता, बोईसर पुलिस ने तेज की तलाश



पालघर(उत्तरशक्ति)। पालघर जिले के बोईसर पूर्व स्थित कृष्णानगर (कृष्णा धाम सोसायटी), खेरेपाड़ा ग्राम पंचायत क्षेत्र से 11 वर्षीय बालक पवन कुमार छोटक साह के लापता होने का मामला सामने आया है। बालक के अचानक लापता होने से परिजन चिंतित हैं। वहीं बोईसर पुलिस ने गुमशुदगी का मामला दर्ज कर उसकी तलाश तेज कर दी है। पुलिस ने आम नागरिकों से बालक के संबंध में कोई भी जानकारी मिलने पर तत्काल सूचित करने की अपील की है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार पवन कुमार की मां पिंकी देवी छोटक साह (34) ने पुलिस को दी गई शिकायत में बताया कि 9 नवंबर की शाम वह तारापुर औद्योगिक क्षेत्र स्थित एक कारखाने में काम करने के बाद घर लौटीं, तो उनका बेटा पवन घर पर मौजूद नहीं था। इसके बाद परिजनों ने उसकी आसपास के इलाकों और संभावित स्थानों पर काफी तलाश की, लेकिन उसका कोई पता नहीं चल सका। काफी खोजबीन के बाद भी बालक का सुराग नहीं मिलने पर उसकी मां ने अगले दिन बोईसर पुलिस स्टेशन में गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर बालक की तलाश शुरू कर दी है। बोईसर पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि यदि किसी को भी लापता बालक पवन कुमार छोटक साह के बारे में कोई जानकारी मिलती है या वह कहीं दिखाई देता है, तो तत्काल पुलिस को सूचित करें। जानकारी देने के लिए सहायक पुलिस निरीक्षक केशव राठौड़ के दूरभाष क्र. 9403536122 अथवा सहायक पुलिस निरीक्षक भगवंत चौधरी के दूरभाष क्र. 9922051781पर संपर्क करें। बालक की सुरक्षित बरामदगी के लिए पुलिस ने नागरिकों से सहयोग करने की अपील की है।

बिरसा मुंडा जयंती पर भिवंडी मनपा की ओर से माल्यार्पण कर किया गया अभिवादन



भिवंडी(उत्तरशक्ति)। बिरसा मुंडा की जयंती के अवसर पर रविवार, 15 नवंबर को भिवंडी निजामपुर शहर महानगरपालिका मुख्यालय में कार्यक्रम आयोजित कर उन्हें अभिवादन किया गया। महाराष्ट्र शासन के सामान्य प्रशासन विभाग के 29 दिसंबर 2025 के परिपत्र के अनुसार महानगरपालिका मुख्यालय के भूतल पर आयोजित कार्यक्रम में सहायक आयुक्त (स्वास्थ्य) फैजल तातली ने बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर पुष्पहार अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के लिपिक फिरोज शेख सहित महानगरपालिका के विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

जेनेराली सेंट्रल लाइफ इंश्योरेंस की नई सौगात

मुंबई। जेनेराली सेंट्रल लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड ने एकीकृत भारत-केंद्रित मीडिया रणनीति के साथ अपने राष्ट्रीय ब्रांड अभियान HERE.NOW. का नया अध्याय लॉन्च किया है। बच्चों के भविष्य की योजना और रिटायरमेंट की तैयारियों पर केंद्रित यह अभियान, ब्रांड के ह्यअपने बिंदास सपनों के लिए बड़ा सोचो के मूल विचार को हकीकत में बदलता है। शिक्षा की लगातार बढ़ती लागत और लोगों के बढ़ते आयुकाल के कारण आज के समय में बच्चों की उच्च शिक्षा और सेवानिवृत्ति के लिए पहले से ठोस वित्तीय योजना बनाना अत्यंत आवश्यक हो गया है। यह अभियान ग्राहकों को भविष्य के सपनों को सच करने के लिए आज ही निर्णायक कदम उठाने के लिए प्रेरित करता है। उल्लेखनीय है कि जेनेराली सेंट्रल लाइफ इंश्योरेंस, वैश्विक बीमा अग्रणी जेनेराली और सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया का एक संयुक्त उद्यम है, जो अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञता और भारतीय बैंकिंग की समृद्ध विरासत का संगम है।

जिला कांग्रेस कमेटी की कार्यकारिणी बैठक कैप्टन सत्यम ठाकुर की अध्यक्षता में संपन्न

◆संगठन मजबूत करने एवं वोट बचाओ, देश बचाओ अभियान पर किया गया मंथन



पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। पालघर जिला कांग्रेस कमेटी की जिला कार्यकारिणी की महत्वपूर्ण बैठक रविवार 15 नवंबर 2026 को मनोर स्थित साइलेंट हिल रिसॉर्ट में उत्साहपूर्ण एवं सकारात्मक वातावरण में संपन्न हुई। जिला कांग्रेस अध्यक्ष कैप्टन सत्यम ठाकुर की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में संगठनात्मक मजबूती, आगामी राजनीतिक चुनौतियों, वोट बचाओ, देश बचाओ अभियान तथा पार्टी की भावी रणनीति को लेकर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया।

बैठक में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के वोट बचाओ, देश बचाओ अभियान की निरीक्षक एवं पूर्व विधायिका मनीषा पनवर प्रमुख रूप से उपस्थित रहीं। इसके अलावा नवनियुक्त लोकसभा प्रभारी राजेश शर्मा, जिला प्रभारी श्रीमती नंदा म्हात्रे, बोईसर विधानसभा प्रभारी विश्वजीत तथा डहाणू विधानसभा प्रभारी संदीप शर्मा का स्वागत एवं सत्कार किया गया। बैठक में जिला कार्यकारिणी के सदस्यों, प्रदेश पदाधिकारियों, विभिन्न तहसील अध्यक्षों, कार्याध्यक्षों, शहर अध्यक्षों तथा विभिन्न सेल एवं विभागों के पदाधिकारियों सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकताओं ने हिस्सा लिया।

बैठक की शुरूआत पालघर जिले में कांग्रेस संगठन की वर्तमान स्थिति की समीक्षा के साथ हुई। इस दौरान जिले के प्रत्येक तहसील व गांव स्तर तक संगठन का विस्तार करने, नए कार्यकताओं को पार्टी से जोड़ने तथा संगठनात्मक ढांचे को अधिक सक्रिय और मजबूत बनाने पर चर्चा की गई। आगामी दिनों में नियमित बैठकें आयोजित करने, जनसंपर्क अभियान चलाने और स्थानीय जनसमस्याओं को लेकर संगठित रूप से आवाज उठाने की कार्ययोजना पर भी विचार किया गया। बैठक में वोट बचाओ, देश बचाओ अभियान को प्रभावी ढंग से लागू करने पर विशेष जोर दिया गया। वक्ताओं ने लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा, मतदाताओं के संवैधानिक अधिकारों के संरक्षण तथा चुनावी प्रक्रिया में पारदर्शिता बनाये रखने के लिए कार्यकताओं से जनजागरण करने का आहवान किया।

इसके साथ ही रक्षकअभियान की विस्तृत समीक्षा की गई। सभी तहसील अध्यक्षों एवं इछअ-1 से उनके कार्यक्षेत्र में अभियान की प्रगति, अब तक किये गये कार्यों तथा सामने आ रही समस्याओं की जानकारी ली गई। मतदाता सूची में संभावित त्रुटियों को दूर करने, पात्र मतदाताओं के नाम सुरक्षित रखने तथा कोई भी नागरिक मतदान के अधिकार से वंचित न रहे, इसके लिए पदाधिकारियों को जिम्मेदारीपूर्वक कार्य करने के निर्देश दिए गये। बैठक में नवनियुक्त तहसील अध्यक्षों ने अपने-अपने तहसील की प्रस्तावित कार्यकारिणी के गठन संबंधी प्रस्ताव भी प्रस्तुत किये। इस पर चर्चा करते हुए स्थानीय स्तर पर सक्रिय, सक्षम एवं सर्वसमावेशी संगठन खड़ा करने की आवश्यकता पर जोर दिया गया। साथ ही आगामी समय में पार्टी के कार्यक्रमों को प्रभावी ढंग से लागू करने और स्थानीय मुद्दों पर जनता के साथ मिलकर काम करने की रणनीति तैयार की गई। बैठक में उपस्थित वरिष्ठ नेताओं ने कांग्रेस की विचारधारा, संविधानिक मूल्यों, लोकतंत्र की रक्षा और आम जनता की समस्याओं को लेकर निरंतर संघर्ष करने के महत्व पर प्रकाश डाला। संगठन में आपसी समन्वय, अनुशासन, सक्रियता और कार्यकताओं की भागीदारी बढ़ाने पर भी मार्गदर्शन किया गया।

छठ महापर्व पर विधायक स्नेहा दुबे पंडित और राजन नाईक की विशेष उपस्थिति



वसई (उत्तरशक्ति)। वसई विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर लोक आस्था के महापर्व छठ पूजा के अवसर पर संध्या अर्घ्य के दौरान विशेष धार्मिक आयोजन किए गए। इन आयोजनों में वसई की विधायक स्नेहा दुबे पंडित एवं नालासोपारा के विधायक राजन नाईक विशेष रूप से उपस्थित रहे।

इस अवसर पर दोनों विधायकों ने विभिन्न छठ घाटों पर पहुंचकर छठी मैया के दर्शन किए और पूजा-अर्चना में शामिल होकर आशीर्वाद प्राप्त किया। उनके साथ स्थानीय नगरसेवक, भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता भी मौजूद रहे।

भिवंडी में सायजिंग उद्योग की अनिश्चितकालीन हड़ताल 8 दिनों बाद समाप्त

आज से शुरू हो जायेंगी सायजिंग की सभी यूनिटें



आचार्य सूरजपाल यादव

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। सायजिंग उद्योग की विभिन्न समस्याओं को लेकर 8 नवंबर से जारी अनिश्चितकालीन बंदी समाप्त करने का निर्णय लिया गया है। बतादें कि सायजिंगों की बंदी का असर भिवंडी के पावरलूम पर भी पडने लगा था, पावरलूम कारीगरों का पलायन होने लगा जिसकी चर्चा सायजिंग मालिकों में होने लगी थी। जिसके मद्देनजर भिवंडी सायजिंग एसोसिएशन के अध्यक्ष अजय यादव की अध्यक्षता में 15 नवंबर को आयोजित कार्यकारिणी एवं कोर कमेटी की अत्यावश्यक बैठक में उद्योग से जुड़ी परिस्थितियों की समीक्षा के बाद सर्वसम्मति से बंदी समाप्त करने की घोषणा की गई। इसके अनुसार सोमवार, 16 नवंबर को सुबह 7 बजे से सायजिंग यूनिटें दोबारा शुरू हो जाएंगी।एसोसिएशन द्वारा जारी सूचना के अनुसार, बैठक में सायजिंग उद्योग की मौजूदा दरों में वृद्धि का प्रस्ताव भी पारित किया गया। इसके तहत कॉटन सायजिंग पर 11 रुपये प्रति किलो तथा पीवी/पीसी सायजिंग पर 13 रुपये प्रति किलो अतिरिक्त दर वृद्धि प्रस्तावित की गई है। सभी सदस्यों को अपनी-अपनी पार्टियों को इसकी जानकारी देकर लिखित सहमति प्राप्त करने के निर्देश दिए गए हैं। बैठक में भुगतान की समयसीमा भी निर्धारित की गई। निर्णय के अनुसार, बिल मिलने के 15 दिनों के भीतर पूरा भुगतान करना अनिवार्य होगा। यदि किसी महीने का बिल अगले महीने की 1 तारीख को दिया जाता है, तो उसका भुगतान 15 तारीख तक करना होगा। इसके अलावा, सभी सायजिंग यूनिटों में महाराष्ट्र प्रदूषण नियंत्रण मंडल द्वारा अनुमत ईंधन (कोयला एवं बायोफ्यूल) का ही इस्तेमाल सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया। एसोसिएशन ने सभी सदस्यों से अपील की है कि वे संगठन द्वारा लिए गए निर्णयों का ईमानदारी से पालन करें, ताकि भिवंडी के सायजिंग उद्योग के अस्तित्व, भविष्य और सम्मान को सुरक्षित रखा जा सके।

सुजानगढ़ विकास परिषद का दिवाली स्नेह मिलन समारोह संपन्न

आदेश मिश्र



मुंबई (उत्तरशक्ति)। सुजानगढ़ विकास परिषद, मुंबई ने शनिवार, 14 नवंबर को अंधेरी (पश्चिम) स्थित माहेश्वरी भवन में दिवाली स्नेह मिलन समारोह का भव्य आयोजन किया। कार्यक्रम में नगर परिषद सुजानगढ़ के सभापति मदनलाल गुलेरिया मुख्य अतिथि और पार्षद पवन माहेश्वरी विशिष्ट अतिथि थे। समारोह में परिषद के पूर्व अध्यक्षों का सम्मान किया गया। साथ ही व्यावसायिक डिग्री प्राप्त करने वाले व सरकारी सेवाओं में चयनित विद्यार्थियों, व्यापार जगत में उल्लेखनीय उपलब्धियाँ हासिल करने वाले उद्यमियों तथा 75 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठजनों को सम्मानित किया गया। परिषद के अध्यक्ष अजय मंगलूनिया ने सभी अतिथियों एवं सदस्यों का स्वागत किया।

स्नेह मिलन के बाद आयोजित फि ल्मी संगीत कार्यक्रम का सभी ने भरपूर आनंद लिया। कार्यक्रम में छोटे बच्चों को सरप्राइज गिफ्ट दिए गए, वहीं लकी ड्रॉ के तीन विजेताओं को चाँदी के सिक्के भेंट किए गए। इस अवसर पर सचिव पंकज खंडेलवाल, कोषाध्यक्ष दीपेश फतेहपुरिया, उपाध्यक्ष श्रवण गुलेरिया एवं आदित्य जैन, सह-सचिव अभिषेक अग्रवाल, परिषद के पूर्व अध्यक्षगण एवं समस्त कार्यकारिणी उपस्थित थी। कार्यक्रम का समापन सहभोज के साथ हुआ।

आगामी श्रीराम कथा के आयोजन को लेकर ॐ श्री नारायण सत्संग मंडल की बैठक



मुंबई (उत्तरशक्ति)। ॐ श्री नारायण सत्संग मंडल के तत्वावधान में श्री वीर हनुमान मंदिर, हनुमान नगर, पार्क साइट में आयोजित होने वाली आगामी श्रीराम कथा की तैयारियों को लेकर मंडल की द्वितीय बैठक रविवार को रहेजा गार्डेन में संपन्न हुई।बैठक में आगामी श्रीराम कथा के आयोजन की रूपरेखा एवं तैयारियों पर विस्तार से चर्चा की गई। मंडल द्वारा आयोजित इस नौ दिवसीय श्रीराम कथा का वाचन बालव्यास पंडित श्री निशिकांत द्विवेदी जी के श्रीमुख से दिनांक 8 जनवरी से 16 जनवरी 2027 तक किया जाएगा। कथा के शुभारंभ अवसर पर भव्य कलश यात्रा निकाली जाएगी। वहीं, 17 जनवरी 2027 को हवन एवं पूणार्हुति के पश्चात विशाल महाप्रसाद भंडारे का आयोजन किया जाएगा।

बैठक में मंडल अध्यक्ष अरविंद शुक्ला, प्रो. अभयकांत तिवारी, विमलेश मिश्रा, भोलानाथ मिश्रा, अजय पांडेय, संदीप त्रिपाठी, राजेश सिंह, आदेश मिश्र, हरिनारायण यादव, डॉ. चंद्रकेश विश्वकर्मा, रणजीत सिंह, अवधेश तिवारी, अनिलेश मिश्रा, संजय पांडेय, राजेश चौहान सहित मंडल के अन्य सदस्य एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे। बैठक में सभी सदस्यों ने श्रीराम कथा को भव्य एवं सफल बनाने के लिए अपना सहयोग एवं योगदान देने का संकल्प लिया।

शमीम तारिक के काव्य संग्रह जब्र-ओ-कहर का मौसम का विमोचन

कविता का संबंध इतिहास, दैनिक जीवन और अनुभवों से होना चाहिए : शमीम तारिक



भिवंडी (उत्तरशक्ति)। बाल दिवस के अवसर पर बज्मे अंसारे अदब, भिवंडी की ओर से सनोबर हॉल में प्रसिद्ध शायर, लेखक, आलोचक एवं स्तंभकार शमीम तारिक के दूसरे काव्य संग्रह ह्यजब्र-ओ-कहर का मौसमह्ण का विमोचन समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रधानाचार्य ज़ियाउर रहमान अंसारी ने की, जबकि महाराष्ट्र राज्य उर्दू अकादमी के अध्यक्ष सैयद हसीन अख्तर के हाथों काव्य संग्रह का विमोचन किया गया। इस अवसर पर शमीम तारिक ने कहा कि कविता का संबंध इतिहास, दैनिक जीवन, अवलोकन और अनुभवों से होना चाहिए, न कि केवल काल्पनिक बातों से। उन्होंने अपनी चुनिंदा रचनाएं भी प्रस्तुत कीं, जिन्हें श्रोताओं ने खूब सराहा। अध्यक्षीय संबोधन में ज़ियाउर रहमान अंसारी ने शमीम तारिक की साहित्यिक एवं पत्रकारिता संबंधी सेवाओं की सराहना करते हुए नए काव्य संग्रह को समकालीन सामाजिक अनुभवों का आईना बताया। मुख्य अतिथि सैयद हसीन अख्तर ने शमीम तारिक को बधाई देते हुए महाराष्ट्र राज्य उर्दू अकादमी की ओर से हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया।

प्रसिद्ध शायर मुहम्मद रफी अंसारी ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया तथा काव्य संग्रह पर अपने विचार व्यक्त करते हुए शमीम तारिक के सम्मान में कुछ शेर भी प्रस्तुत किए। प्रधानाचार्य सरफराज मुरूमकर और शकील अहमद शकील ने काव्य संग्रह की साहित्यिक विशेषताओं पर विचार रखे। इस अवसर पर आमिर कुरैशी द्वारा लिखित प्रशंसा पत्र भी शमीम तारिक को भेंट किया गया। इरफान जाफरी ने शमीम तारिक से अपने मधुर संबंधों का उल्लेख करते हुए उन्हें बधाई दी। कार्यक्रम में शोएब हाशमी, शाहनवाज ठाणेवाला, अनस अंसारी, नय्यर हसन सहित बड़ी संख्या में साहित्यप्रेमी उपस्थित थे। संचालन सीमाब अनवर मोमिन ने किया। आयोजन बज्मे अंसारे अदब के अध्यक्ष बिलाल रौनक एवं उनके सहयोगियों ने किया। अंत में बिलाल रौनक ने आभार व्यक्त किया।

भगवान बिरसा मुंडा की जयंती एवं श्रमजीवी संगठन की वर्षगांठ पर शामिल हुईं स्नेहा दुबे पंडित



वसई (उत्तरशक्ति)। गिरिज टोकपाड़ा, वसई पश्चिम में भगवान बिरसा मुंडा की जयंती एवं श्रमजीवी संगठन की वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में वसई की विधायक स्नेहा दुबे पंडित विशेष रूप से शामिल हुईं। इस दौरान उन्होंने भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

इस अवसर पर विधायक स्नेहा दुबे पंडित ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा का संघर्षपूर्ण जीवन, समाज के प्रति उनका योगदान और आदिवासी समाज के अधिकारों के लिए किया गया उनका संघर्ष सदैव प्रेरणास्रोत रहेगा। उनके विचार और आदर्श आने वाली पीढ़ियों को सामाजिक न्याय एवं अधिकारों के लिए संघर्ष करने की प्रेरणा देते रहेंगे।

कार्यक्रम में भाजपा वसई-विरार शहर जिला महासचिव कपिल म्हात्रे, नगरसेविका निम्मी निपुण दोशी, सुचिता शेट्टी, वसई शहर मंडल अध्यक्ष गीतांजलि दरीवाला, महासचिव संतोष काकड़, चेतन वर्षिकर, मयंक शेठ, निपुण दोशी, अनिल राउत, शालिनी डिसूजा, अशोक मिश्रा, गिरीश राउत, दिनेश घरत एवं पुंडलिक राठौड़ उपस्थित रहे।वहीं श्रमजीवी संगठन की ओर से विद्या गिरने, अविनाश भोईर और नरेश अहाड़े सहित स्थानीय नागरिक, पाड़ा के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता बड़ी संख्या में मौजूद रहे। कार्यक्रम में भगवान बिरसा मुंडा के योगदान को याद करते हुए उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प व्यक्त किया गया।



उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालयः
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

तेज रफ्तार कार पेड़ से टकराई, चार दोस्तों की दर्दनाक मौत

बलिया (उत्तरशक्ति)। नगरा-बेल्थरारोड मार्ग पर शनिवार देर रात हुए भीषण सड़क हादसे में चार दोस्तों की मौत हो गई। निछुवाडीह के पास अनियंत्रित कार सड़क किनारे पेड़ से टकरा गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार के परखच्चे उड़ गए। हादसे में कार सवार कुनाल (22), धनंजय पटेल (23), अभिषेक पटेल (24) और गोलू ठाकुर की मौत हो गई। चारों युवक गौवापार के करूमपुरा गांव के निवासी और आपस में दोस्त थे। बताया जाता है कि सभी नगरा से घर लौट रहे थे, तभी यह हादसा हुआ। दुर्घटना में दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य ने नगरा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र से मऊ रेफर किए जाने के बाद उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने चारों शवों को कब्जे में लेकर विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है। थानाध्यक्ष संजय कुमार मिश्र ने बताया कि पुलिस हादसे के कारणों की जांच कर रही है। चार युवकों की एक साथ मौत से गांव में मातम पसरा है और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

शादी की जिद में मोबाइल टावर पर चढ़ी युवती, साढ़े चार घंटे बाद प्रेमी ने भरी मांग में सिंदूर

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिले के बारीगांव में रविवार सुबह प्रेम प्रसंग का एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया। प्रेमी से शादी करने की जिद में नेहा गौतम नाम की युवती मोबाइल टावर पर चढ़ गई। करीब साढ़े चार घंटे तक चले हाईवोल्टेज ड्रामे के बाद प्रेमी अभिजीत गौतम ने टावर पर ही उसकी मांग में सिंदूर भर दिया। इसके बाद युवती सुरक्षित नीचे उतर आई। इस दौरान मौके पर मौजूद लोगों ने तालियां बजाकर खुशी जताई।

जानकारी के अनुसार, नेहा गौतम और अभिजीत गौतम कसेरवा बसेरवा गांव के निवासी हैं। दोनों के बीच प्रेम प्रसंग चल रहा था। बताया जाता है कि जब नेहा ने प्रेमी से शादी करने की बात कही तो वह पीछे हटने लगा। इससे नाराज होकर रविवार सुबह करीब छह बजे नेहा मोबाइल टावर पर चढ़ गई। उसने खुद ही डायल 112 पर फोन कर पुलिस को इसकी सूचना दी।

सूचना मिलते ही प्रभारी निरीक्षक जयप्रकाश यादव पुलिस बल और फायर ब्रिगेड की टीम के साथ मौके पर पहुंच गए। युवती को सुरक्षित नीचे उतारने का प्रयास किया गया, लेकिन वह अपनी जिद पर अड़ी रही। उसकी मांग थी कि प्रेमी को मौके पर बुलाया जाए और उसी के हाथों शादी की जाए।

इसके बाद पुलिस प्रेमी अभिजीत को मौके पर लेकर पहुंची। उसने पहले युवती को समझाने का प्रयास किया और फिर खुद भी टावर पर चढ़ा। काफी देर तक मान-मनौव्वल का दौर चलता रहा। आखिरकार करीब साढ़े चार घंटे बाद प्रेमी ने टावर पर ही युवती की मांग में सिंदूर भर दिया। इसके बाद नेहा नीचे उतरने को तैयार हो गई।

युवती के सुरक्षित नीचे उतरते ही वहां मौजूद लोगों ने तालियां बजाईं। बाद में पुलिस दोनों को अपने साथ थाने ले गई। बताया जाता है कि युवती महुआरी जरौटा गांव स्थित अपने ननिहाल में रहती थी। टावर पर चढ़कर शादी की जिद और फिर सिंदूर भरने का यह मामला पूरे क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है।

विवाहिता की फांसी पर लटकती हुई मिली लाश, सनसनी

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। लाइन बाजार थाना क्षेत्र के सिहीपुर में रविवार दोपहर विवाहिता की फांसी पर लटकती लाश देखे जाने से पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गई है। सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि झारखंड प्रांत के रांची जनपद थाना लापुंग डिंमबा गांव निवासी पतिभगत की 25 वर्षीया पत्नी सुनीता देवी की लाश उसी के दुपट्टे से रविवार दोपहर लगभग 12:00 बजे घर के अंदर फांसी पर लटकते देखी गई। देखते ही देखते आसपास के लोगों की अच्छी खासी भीड़ एकत्रित हो गई। महिला का पति मजदूरी करने के लिए वन विहार की तरफ गया हुआ था। उसे सूचना दी गई। सूचना मिलते ही वह भी वहां पहुंच गया। पति द्वारा सुनीता को जिला अस्पताल लाया गया जहां चिकित्सक द्वारा उसे पूरी तरह से मरा हुआ घोषित कर दिया गया है और पुलिस को सूचना भेज दी गई है। खतना को लेकर क्षेत्र में चर्चा का बाजार गर्म है जितना मुंह उतनी बातें कही जा रही है। विवाहिता एक 5 वर्षीय बच्चे की मां थी।

मुंगराबादशाहपुर में जहरखुरानी के आरोप में दो गिरफ्तार, प्रयागराज तक फैला नेटवर्क आया सामने

1360 रुपये नकद, बाइक, बैग और मोबाइल के खुले पार्ट्स बरामद; दो अन्य की तलाश में जुटी पुलिस

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मुंगराबादशाहपुर थाना पुलिस ने जहरखुरानी और चोरी के मामले में दो अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपितों की पहचान प्रयागराज जिले के बहरिया थाना क्षेत्र के सैफखानपुर उर्फ चिल्हाराय निवासी राजेश कुमार गौतम और मंसूरपुर निवासी मुर्तिशंकर उर्फ बच्चू के रूप में हुई है। पुलिस ने इनके कब्जे से 1360 रुपये नकद, इस्तेमाल किए हुए कपड़ों से भरा एक बैग, काले रंग का पिट्ठू बैग, घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल और मोबाइल के खुले हुए पार्ट्स बरामद किए हैं।

पुलिस के मुताबिक, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. यशवीर सिंह के निर्देश पर अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई। अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण के निर्देशन तथा क्षेत्राधिकारी मछलीशहर के पर्यवेक्षण में मुंगराबादशाहपुर पुलिस टीम ने मुखबिर की सूचना पर मुकदमा संख्या 393/26 से संबंधित दोनों आरोपितों को गिरफ्तार किया।

पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार राजेश कुमार गौतम का आपराधिक इतिहास भी सामने आया है। उसके विरुद्ध जौनपुर, प्रयागराज और प्रतापगढ़ के विभिन्न थानों में चोरी, जहरखुरानी, हत्या, हत्या के प्रयास, आर्म्स एक्ट और गैंगस्टर एक्ट समेत कई मुकदमे दर्ज होने का उल्लेख है। वहीं, दूसरे गिरफ्तार आरोपित मुर्तिशंकर उर्फ बच्चू का इस मामले में आपराधिक इतिहास दर्ज बताया गया है।

इस प्रकरण में पुलिस ने दो अन्य लोगों को भी प्रकाश में आया आरोपी बताया है, जिनमें हिमालय उर्फ अरुण कुमार निवासी इस्माइलपुर, थाना सोरांव तथा जितेंद्र पटेल निवासी चकिया धमौर, थाना बहरिया, प्रयागराज शामिल हैं। दोनों की गिरफ्तारी अभी शेष है। पुलिस उनकी तलाश में जुटी है।

गिरफ्तारी और बरामदगी करने वाली टीम में प्रभारी निरीक्षक गजानंद चौबे, उपनिरीक्षक जितेंद्र कुमार सिंह, कांस्टेबल पंकज मिश्रा और कांस्टेबल गौतम कुमार शामिल रहे। पुलिस का कहना है कि मामले में अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है।

विधायक ने नारायणपुर पंचायत भवन का किया उद्घाटन

बक्शा विकासखंड के नारायणपुर में कार्यक्रम में ग्राम प्रधान समेत जनप्रतिनिधि और ग्रामीण रहे मौजूद

तेजी बाजार,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। बक्शा विकासखंड के नारायणपुर गांव में शनिवार, 14 नवंबर की शाम विधायक रमेश मिश्रा ने नवनिर्मित पंचायत भवन का उद्घाटन किया। कार्यक्रम में ग्राम प्रधान शोभा देवी, प्रधान प्रतिनिधि धनंजय यादव, पंचायत सचिव महेश तिवारी, खंड विकास अधिकारी धर्मेंद्र और पंचायत सहायक शांति शर्मा समेत ग्रामीण मौजूद रहे।



विधायक रमेश मिश्रा ने फीता काटकर भवन का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि यहां पंचायत और गांव के विकास से जुड़े काम होंगे। ग्रामीण पंचायत से जुड़े कामों के लिए इस भवन का इस्तेमाल कर सकेंगे। उन्होंने पंचायत स्तर पर योजनाओं को लागू करने और ग्रामीणों तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने पर जोर दिया।

ग्राम प्रधान शोभा देवी और प्रधान प्रतिनिधि धनंजय यादव ने कहा कि भवन में पंचायत बैठकें, विकास कार्यों की समीक्षा और ग्रामीणों की समस्याओं पर चर्चा की जा सकेगी। इससे पंचायत के काम व्यवस्थित तरीके से करने में मदद मिलेगी।

पंचायत सचिव महेश तिवारी ने कहा कि भवन में पंचायत से जुड़े रिकॉर्ड और प्रशासनिक काम किए जा सकेंगे। खंड विकास अधिकारी धर्मेंद्र ने भवन का नियमित इस्तेमाल करने और परिसर को साफ-सुथरा रखने की बात कही।

पंचायत सहायक शांति शर्मा ने ग्रामीणों को पंचायत स्तर पर मिलने वाली सेवाओं की जानकारी दी। कार्यक्रम के अंत में जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने पंचायत के काम पारदर्शी और व्यवस्थित तरीके से करने की बात कही।

अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य देकर व्रती महिलाओं ने की छठी मइया की आराधना

सिंगरामऊ,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। लोक आस्था और सूर्य उपासना के महापर्व डाला छठ पर रविवार की शाम



सिगरामऊ क्षेत्र में श्रद्धा और भक्ति का अद्भुत नजारा देखने को मिला। गौरीशंकर मंदिर परिसर स्थित राजा साहब के पोखरे पर अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य देने के लिए श्रद्धालु महिलाओं का सैलाब उमड़ पड़ा। व्रती महिलाओं ने पोखरे के जल में खड़े होकर विधि-विधान से भगवान सूर्य की पूजा-अर्चना की और परिवार की सुख-समृद्धि, संतान की दीर्घायु एवं खुशहाली की कामना की। छठ पर्व के अवसर पर घाट पर पारंपरिक लोकगीतों और छठी मइया के जयकारों से पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा। महिलाओं ने सूप में फल, ठेकुआ, नारियल, गन्ना सहित विभिन्न पूजन सामग्रियां सजाकर अस्त होते सूर्य को अर्घ्य अर्पित किया। मान्यता है कि छठ महापर्व पर भगवान सूर्य और छठी मइया की आराधना करने से परिवार में सुख-शांति और समृद्धि आती है। यह पर्व प्रकृति, स्वच्छता, संयम और लोक आस्था का प्रतीक भी है। श्रद्धालुओं की सुविधा और स्वच्छता को ध्यान में रखते हुए सिगरामऊ राजघराने के कुंवर जय बाबा तथा ठाकुरबाड़ी महिला विकास कल्याण समिति की प्रमुख डॉ. अंजू सिंह के प्रयास से एक दिन पूर्व ही घाटों की साफ-सफाई करा दी गई थी, जिससे व्रती महिलाओं को पूजा-अर्चना में किसी प्रकार की असुविधा न हो। छठ पर्व को लेकर क्षेत्र में विशेष उत्साह देखने को मिला। रविवार को अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य देने के बाद अब सोमवार की सुबह उदीयमान सूर्य को अर्घ्य अर्पित कर व्रती महिलाएं अपना कठिन निर्जला व्रत पूर्ण करेंगी।

नवाब हुसैन गर्ल्स इंटरमीडिएट कॉलेज में धूमधाम से मनाया गया बाल दिवस

खेलकूद प्रतियोगिताओं के विजेता हुए सम्मानित

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। कलापुर स्थित नवाब हुसैन गर्ल्स इंटरमीडिएट कॉलेज में देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू की जयंती के अवसर पर बाल दिवस हर्षोल्लास एवं उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय में विभिन्न शैक्षिक, सांस्कृतिक एवं खेलकूद गतिविधियों का आयोजन किया गया, जिसमें सभी कक्षाओं के बच्चों ने बढ़-चढ़कर प्रतिभाग किया।

कार्यक्रम के दौरान छात्राओं को बाल दिवस के महत्व एवं पंडित जवाहरलाल नेहरू के जीवन, विचारों तथा बच्चों के प्रति उनके स्नेह के बारे में जानकारी दी गई। विद्यालय परिसर में पूरे दिन उत्साह और उमंग का माहौल देखने को मिला।

बाल दिवस के अवसर पर आयोजित खेलकूद प्रतियोगिताओं में सभी कक्षाओं के बच्चों ने अपनी प्रतिभा और खेल कौशल का शानदार प्रदर्शन किया। प्रतियोगिताओं में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले बच्चों को शील्ड एवं सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया गया। सम्मान पाकर बच्चों के चेहरे खुशी से खिल उठे। विद्यालय प्रबंधन ने सभी







प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन करते हुए खेलों को शारीरिक एवं मानसिक विकास के लिए महत्वपूर्ण बताया।

विद्यालय के प्रबंधक डॉ. आबिद खान एवं डॉ. इम्तियाज अहमद ने बाल दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि बच्चे देश का भविष्य हैं। उनकी प्रतिभा को निखारना, उन्हें गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देना और आत्मनिर्भर बनाना हम सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि विद्यालय का उद्देश्य बच्चों को शिक्षा के साथ-साथ खेलकूद, आत्मविश्वास, अनुशासन, नैतिक मूल्यों एवं नेतृत्व क्षमता में भी मजबूत बनाना है।

प्रधानाचार्या निकहत परवीन ने बच्चों को बाल दिवस की बधाई देते हुए कहा कि प्रत्येक बच्चे में अपार प्रतिभा छिपी होती है। उचित मार्गदर्शन और प्रोत्साहन से वे जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में सफलता प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने बच्चों को मेहनत, लगन और अनुशासन के साथ अपने लक्ष्य की ओर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम में सुशील कुमार अस्थाना (लिपिक), राजाराम, मेराज अहमद, अब्दुल रहमान, शिखर कुमार, सुमित अस्थाना, फिरदौस फातमा, रिशु सिंह, बबीता, सविता, फायजा शेख, उजमा शेख, पूजा प्रजापति, अरीबा सिद्दीकी एवं आरती सहित विद्यालय की सहायक कर्मचारी रोशनी और डिम्पल उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का समापन हर्षोल्लास एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में हुआ।

सिरसी-बरईपार रोड पर बाइक की टक्कर से अधेड़ की मौत

इलाज के लिए ले जाते समय रास्ते में दम तोड़ा

तेजीबाजार,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। तेजीबाजार थाना क्षेत्र के सिरसी-बरईपार रोड पर मोटरसाइकिल की टक्कर से गोनापार निवासी मुन्ना शर्मा (करीब 55) की मौत हो गई। वे किसी काम से बाहर गए थे। सूचना मिलने पर तेजीबाजार थानाध्यक्ष सतेंद्र भाई पटेल पुलिसकर्मियों के साथ मौके पर पहुंचे। परिजन भी वहां पहुंचे और घायल मुन्ना को इलाज के लिए ले जाने लगे। रास्ते में उनकी मौत हो गई। वहीं



मौत की खबर सुनते ही परिजनों में कोहराम मच गया और गांव में शोक की लहर दौड़ गई। मुन्ना शर्मा बहुत ही मिलनसार और नेक दिल के व्यक्ति थे इनकी दुर्घटना में मौत हो जाने से परिजनों के उपर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। वहीं तेजीबाजार थाना पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा किया और पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। घटना के बाद मौके पर कई लोग जमा हो गए।

सपा नेता तुनज पाण्डेय 22 नवंबर को निकालेंगे बाइक रैली

मधुपुर से शुरू होकर महराजगंज में होगा समापन, रूट मैप जारी

बदलापुर,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। बदलापुर विधानसभा क्षेत्र में सपा नेता तुनज पाण्डेय 22 नवंबर 2026 को बाइक रैली निकालेंगे। रैली सुबह 9 बजे मधुपुर से शुरू होकर महराजगंज में खत्म होगी। जारी रूट मैप के मुताबिक, रैली तुनज पाण्डेय के मधुपुर स्थित आवास से शुरू होगी। इसके बाद यह पुरालाल, सिंगरामऊ, बदलापुर चौराहा (इंदिरा चौक) और रामजानकी क्रॉसिंग से होते हुए महराजगंज पहुंचेगी। तुनज पाण्डेय (विधानसभा बदलापुर-364) इस कार्यक्रम के आयोजक हैं। रैली के पोस्टर पर 'बदलापुर बदलाव की ओर' का नारा दिया गया है। आयोजकों ने कहा है कि रैली के जरिए युवाओं की भागीदारी और जनसंपर्क को बढ़ावा देने की कोशिश की जाएगी।



जनगणना-2027 के स्व-गणना कार्यक्रम की शुरूआत 16 नवंबर से, 30 नवंबर तक मिलेगा मौका

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। भारत की जनगणना-2027 के द्वितीय चरण के तहत स्व-गणना कार्यक्रम 16 नवंबर से शुरू होकर 30 नवंबर 2026 तक चलेगा। इसके बाद 1 दिसंबर 2026 से 4 जनवरी 2027 तक जनसंख्या गणना का कार्य किया जाएगा। वहीं, 5 से 9 जनवरी 2027 तक पुनरीक्षण दौर आयोजित होगा। जिला जनगणना अधिकारी एवं अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व), जौनपुर ने बताया कि स्व-गणना के लिए नागरिकों को रीप्ल्ल्२४२ॅ.ङ्ख५.ल्ल पोर्टल पर लॉगिन कर जनगणना से संबंधित 40 प्रश्नों की प्रश्नावली भरनी होगी। प्रक्रिया पूरी होने के बाद एक रए क्कऊप्राप्त होगी, जिसे सुरक्षित रखना अनिवार्य है। जब प्रगणक घर पहुंचेंगे तो उन्हें यह आईडी दिखाकर गणना की प्रक्रिया पूरी करानी होगी। उन्होंने जनपद के सभी नागरिकों से इस राष्ट्रीय कार्यक्रम में बढ़-चढ़कर भाग लेने और शत-प्रतिशत लक्ष्य हासिल करने में सहयोग करने की अपील की। उन्होंने कहा कि जनगणना से प्राप्त आंकड़े देश की जनसंख्या, सामाजिक संरचना और विकास संबंधी आवश्यकताओं को समझने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इन्हीं आंकड़ों के आधार पर भविष्य की नीतियों, जनकल्याणकारी योजनाओं और विकास कार्यक्रमों का निर्माण किया जाता है।

अनियंत्रित ट्रैक्टर दो दुकानों में घुसा, दो गुमटियां और दो वाहन क्षतिग्रस्त, एक व्यक्ति घायल

दुद्धी/सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। स्थानीय कस्बे में रविवार को एक अनियंत्रित तेज रफ्तार ट्रैक्टर राष्ट्रीय राजमार्ग स्थित ब्लॉक की बाउंड्री के पास दो दुकानों में जा घुसा। हादसे में दोनों दुकानें और दो गुमटियां पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गईं। वहीं, दुकान के पास खड़ी अमरनाथ जायसवाल की स्कूटी और एक हीरो बाइक भी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार ट्रैक्टर की रफ्तार काफी तेज थी, जिसके चलते चालक वाहन पर नियंत्रण खो बैठा। हादसे में एक व्यक्ति को चोट आई है। घटना की सूचना मिलते ही कस्बा चौकी पुलिस मौके पर पहुंची और ट्रैक्टर समेत क्षतिग्रस्त वाहनों को कब्जे में ले लिया। पुलिस ट्रैक्टर चालक से पूछताछ कर रही है। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी का माहौल रहा।



ज्योतिषाचार्य डॉ.रमेश चंद्र तिवारी 'गुरुजी' की स्मृतियों में मनाया गया जन्मोत्सव

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। प्रख्यात ज्योतिषाचार्य, आध्यात्मिक चिंतक एवं एसबीडी गुरुकुल महाविद्यालय, दुमदुमा (ऊंचगांव) के संस्थापक डॉ. रमेश चंद्र तिवारी 'गुरुजी' का जन्मोत्सव शनिवार को महाविद्यालय परिसर में श्रद्धा, सम्मान और हर्षोल्लास के साथ केक काटकर मनाया गया। संगीतमय सुंदरकांड पाठ के आयोजन से पूरा परिसर भक्तिमय वातावरण में सराबोर रहा। स्थानीय लोगों, शिक्षकों, अभिभावकों एवं विद्यार्थियों ने डॉ. गुरुजी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व को याद करते हुए समाज और शिक्षा के क्षेत्र में उनके योगदान को नमन किया। क्षेत्र के विकास, शिक्षा के प्रसार, सामाजिक समरसता और मानवता की सेवा के लिए उनके समर्पण को याद किया गया।

ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि डॉ. उमेश चंद्र तिवारी ने कहा कि डॉ. रमेश चंद्र तिवारी का संपूर्ण जीवन क्षेत्र एवं समाज के सर्वांगीण विकास, मानवता की सेवा और लोककल्याण को समर्पित रहा। उन्होंने समाज को सकारात्मक दिशा देने का कार्य



किया। उनकी परिकल्पना थी कि गांव के अंतिम गरीब परिवार का बच्चा भी पढ़-लिखकर राष्ट्र का योग्य एवं जिम्मेदार नागरिक बने तथा क्षेत्र का चौमुखी विकास हो। उनकी यह सोच आज भी समाज के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने कहा कि डॉ. गुरुजी की दूरदर्शी विचारधारा और विकासपरक सोच को आगे बढ़ाना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। ग्राम प्रधान राजेंद्र प्रसाद तिवारी ने कहा कि उनका सहज, सरल एवं आकर्षक व्यक्तित्व समाज के लिए अनुकरणीय है। वह सच्चे अर्थों में समाजसेवी और पारदर्शी व्यक्तित्व के धनी थे। डॉ. राकेश चंद्र तिवारी ने कहा कि क्षेत्र को शिक्षित बनाना और विकास की परिकल्पना को धरातल पर उतारना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। उन्होंने डॉ. गुरुजी को समभाव और समदृष्टि का प्रेरणास्रोत बताते हुए कहा कि उनका जीवन समस्त भेदभाव से ऊपर उठकर समाज के प्रत्येक वर्ग के कल्याण के लिए समर्पित रहा।

तुलसीराम तिवारी, विनोद पांडेय, अमरजीत मिश्र, महाविद्यालय के प्राचार्य अभिषेक उपाध्याय, डीएलएड के प्राचार्य मो. एहतेशाम, पब्लिक स्कूल के प्रधानाध्यापक रमापति दूबे, नीरज मिश्रा, अरुण पांडेय, संजय पांडेय सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

दो स्वास्थ्य केंद्रों पर 94 मरीजों की जांच

सिगरामऊ और जमऊपट्टी में मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेला लगा, मरीजों को मुफ्त दवाएं और जांच मिली

सिंगरामऊ,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। रविवार को सिंगरामऊ और जमऊपट्टी के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेला लगा। दोनों केंद्रों पर कुल 94 मरीजों की ओपीडी दर्ज की गई। मरीजों को मुफ्त जांच, परामर्श और दवाएं दी गईं। सर्दी-जुकाम, ठंड लगने और मौसमी बीमारियों के मरीज ज्यादा आए।

सिगरामऊ प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर प्रभारी चिकित्सक डॉ. अभिषेक वर्मा के नेतृत्व में 87 मरीजों की जांच की गई। महिला चिकित्सक डॉ. श्रुति पांडेय, पूजा त्रिपाठी और फार्मासिस्ट श्रीराम यादव ने मरीजों को परामर्श और मुफ्त दवाएं दीं। जमऊपट्टी प्राथमिक



स्वास्थ्य केंद्र पर डॉ. सुशील कुमार यादव, एएनएम मीरा यादव और वार्ड ब्वाय मोने अली की देखरेख में मेला लगा। यहां सात मरीजों की ओपीडी दर्ज हुई। सभी को मुफ्त चिकित्सा सुविधाएं दी गईं। चिकित्सकों के मुताबिक, इन दिनों वायरल बुखार के मरीज कम हुए हैं। मौसम में बदलाव और ठंड बढ़ने से सर्दी-जुकाम के मरीज बढ़े हैं। उन्होंने लोगों को सावधानी बरतने और स्वास्थ्य संबंधी परेशानी होने पर चिकित्सकीय सलाह लेने को कहा।

पूर्वांचल विश्वविद्यालय में मनाया गया बाल दिवस

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के कंप्यूटर अनुप्रयोग विभाग में बाल दिवस के अवसर पर विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को बाल दिवस के महत्व, पंडित जवाहरलाल नेहरू के विचारों तथा बच्चों के सर्वांगीण विकास के प्रति जागरूक करना रहा।

कार्यक्रम में विभागाध्यक्ष डॉ. सुरजीत यादव ने कहा कि बच्चों की जिज्ञासा, कल्पनाशीलता और सीखने की ललक ही उनके उज्ज्वल भविष्य की आधारशिला है। प्रत्येक बच्चे में कुछ नया सीखने और करने की अपार क्षमता होती है। आवश्यकता है कि उन्हें सकारात्मक वातावरण और उचित मार्गदर्शन मिले, जिससे वे अपनी प्रतिभा को पहचानकर आत्मविश्वास के साथ अपने सपनों को साकार कर सकें।



संकाय अध्यक्ष प्रो. सौरभ पाल ने कहा कि बच्चे किसी भी राष्ट्र की सबसे अनमोल पूंजी और भविष्य के निमार्ता होते हैं। उनके सपनों और संभावनाओं को सही दिशा देना शिक्षकों, अभिभावकों और समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। विद्यार्थियों को केवल सफलता प्राप्त करने के लिए ही नहीं, बल्कि संवेदनशील, जिम्मेदार और नवाचारशील नागरिक बनने के लिए भी प्रेरित किया जाना चाहिए।

इस अवसर पर प्रो. नूपुर गोयल, डॉ. संजीव गंगवार, डॉ. मुनेंद्र सिंह, पंकज कुमार, सौरभ सिंह, आदित्य कुमार जायसवाल, श्रीमती प्रियंका जायसवाल अवधेश कुमार यादव एवं डॉ. मिथिलेश पांडेय सहित विभाग के शिक्षकगण एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

विद्यार्थियों ने छठ पूजा कर सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं: सिंगरामऊ के एकेडमी में कार्यक्रम, भारतीय परंपराओं की झलक दिखी

सिंगरामऊ,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सिंगरामऊ स्थित मेजर अमर बहादुर सिंह सरस्वती गर्ल्स सेंट्रल एकेडमी में रविवार को डाला छठ पर पूजा और सांस्कृतिक कार्यक्रम हुआ। विद्यार्थियों ने छठी मैया की आराधना की और सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं।



विद्यार्थियों ने पारंपरिक रीति-रिवाजों के अनुसार पूजा की। प्रस्तुतियों में लोक आस्था, धार्मिक परंपराओं और भारतीय संस्कृति की झलक दिखाई गई। विद्यालय के प्रबंधक डॉ.संजय सिंह, प्रबंध निदेशक ज्ञानंजय सिंह और अमित ने सभी को डाला छठ की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन विद्यार्थियों को भारतीय संस्कृति, परंपराओं और लोक आस्था से जोड़ते हैं। डॉ.संजय सिंह ने कहा कि नई पीढ़ी को सामाजिक और सांस्कृतिक परंपराओं से परिचित कराना जरूरी है। उन्होंने कहा कि बच्चों को शिक्षा के साथ त्योहारों, रीति-रिवाजों और सांस्कृतिक विरासत से भी जोड़ना चाहिए। कार्यक्रम में विद्यालय के कोऑर्डिनेटर संजय कुमार सिंह, अरविंद दूबे, सूबेदार चौहान, अनंत कुमार सिंह, शुभम रजक, पूजा मिश्रा, अर्पिता रावत, ज्योति सिंह चौहान, पूजा जायसवाल, सोनी सिंह, नम्रता सिंह, आकांक्षा दुबे, गौरी उपाध्याय, अंतिमा उपाध्याय और कंचन जायसवाल सहित अन्य शिक्षक-शिक्षिकाएं शामिल हुए।

लगातार नौवीं बार विधायक चुने गए कालिदास कोळंबकर



मुंबई। शुक्रवार को वडाला विधानसभा क्षेत्र के लगातार नौवीं बार विधायक चुने गए कालिदास कोळंबकर को उनके जन्मदिन के अवसर पर जनसंपर्क कार्यालय, नायगांव, वडाला (मुंबई) में शुभकामनाएं दी गईं।

इस अवसर पर समाजसेवक सुखबिंदर सिंह (लाला भाई) सहित अन्य गणमान्य लोगों ने शॉल ओढ़ाकर एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर कालिदास कोळंबकर को जन्मदिन की बधाई दी और उनके स्वस्थ एवं दीर्घायु जीवन की कामना की। इस दौरान विधायक कालिदास कोळंबकर ने उपस्थित सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया। साथ ही सभी के लिए अल्पाहार की व्यवस्था कर आत्मीय स्वागत किया।

फल लदी पिकअप ट्रेलर से टकराई, युवक की मौत, तीन घायल



आजमगढ(उत्तरशक्ति)। छठ पूजा के लिए गोरखपुर से फल लेकर घर लौट रहे चार लोगों की पिकअप शनिवार देर रात हादसे का शिकार हो गई। गोरखपुर जिले के बड़हलगंज थाना क्षेत्र के हाटा के पास रात करीब 1:30 बजे फल लदी पिकअप ट्रेलर से टकरा गई। दुर्घटना में रौनापार थाना क्षेत्र के सुदनीपुर निवासी हर्ष मद्धेशिया (20) की मौत हो गई, जबकि पिकअप में सवार तीन अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों में सुदनीपुर गांव निवासी मुलायम मद्धेशिया (30), रवि मौर्य (25) और लालू (20) शामिल हैं। तीनों का आजमगढ़ में इलाज चल रहा है। सुदनीपुर निवासी मुलायम मद्धेशिया छठ पूजा के लिए फल लेकर गोरखपुर से लौट रहे थे। उनके साथ हर्ष मद्धेशिया, रवि मौर्य और लालू भी पिकअप में सवार थे। सभी घर पहुंचने के लिए निकले थे, लेकिन रास्ते में हाटा के पास उनकी पिकअप ट्रेलर से टकरा गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि पिकअप सवार चारों लोग घायल हो गए। स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया। इनमें हर्ष की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य की हालत गंभीर बताई गई।

कार ने बाइक में मारी टक्कर, युवक की मौत, दो घायल

आजमगढ(उत्तरशक्ति)। मेहनाजपुर थाना क्षेत्र के नरायनपुर मोड़ के पास शुक्रवार सुबह तेज रफ्तार ब्रेजा कार ने बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार युवक की मौत हो गई, जबकि दो अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। गाजीपुर जिले के बहरियाबाद थाना क्षेत्र के सलमपुर बधाई निवासी जोगेश वनवासी अपने परिवार के साथ नरायनपुर में अंशु सिंह के ईंट भट्ठे पर रहकर काम करता है। उसका भांजा राजकुमार निवासी सलमपुर बधाई शुक्रवार सुबह बाइक से जियापुर पुल की तरफ से नरायनपुर ईंट भट्ठे की ओर आ रहा था। सुबह करीब 9.30 बजे नरायनपुर गांव के पास विपरीत दिशा से आ रही बिना नंबर की ब्रेजा कार ने बाइक में टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि राजकुमार गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के दौरान मौके पर मौजूद जुगाड़ गाड़ी के चालक रामविलास और अशोक भी गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों की मदद से तीनों घायलों को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मेहनाजपुर पहुंचाया गया। वहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने सभी को पीजीआई चक्रपानपुर के लिए रेफर कर दिया। इलाज के दौरान राजकुमार की मौत हो गई, जबकि अन्य दोनों घायलों का उपचार चल रहा है। थाना प्रभारी अखिलेश कुमार सिंह ने बताया कि तहरीर पर कार्रवाई की जाएगी।

महापर्व छठ के आयोजन पर मुख्यमंत्री योगी ने किया छठ पूजन

लखनऊ (उत्तरशक्ति)। राजधानी लखनऊ सहित प्रदेश के अलग-अलग जिलों में महापर्व छठ हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है। रविवार की शाम को लखनऊ में सैकड़ों व्रती महिलाओं ने भगवान सूर्य को अर्घ्य देकर पूजन किया। इस मौके पर लक्ष्मण मेला मैदान गोमती तट पर अखिल भारतीय भोजपुरी समाज द्वारा आयोजित छठ पूजन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी पहुंचे और सूर्य को अर्घ्य देकर पुष्प अर्पित किए। उनके साथ उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक और महापौर सुषमा खर्कवाल भी मौजूद रहीं। हाथों में पूजन सामग्री से सजे सूप, सिर पर फल और प्रसाद से भरी टोकरी और मन में छठ मैया के प्रति अटूट आस्था। लोक आस्था के महापर्व छठ पर रविवार शाम लखनऊ के गोमती तट पर ऐसा ही दृश्य दिखाई दिया। व्रती महिलाओं ने जल में खड़े होकर अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य अर्पित किया। छठ गीतों के बीच महिलाओं ने संतान की दीर्घायु और परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की। घाट पर मौजूद परिजनों ने भी पूजा में हिस्सा लिया और जयकारे लगाए। शाम होने से पहले ही महिलाएं परिवार के साथ घाट पहुंचने लगी थीं। किसी ने ईख से मंडप सजाया तो किसी ने सूप में केला, नारियल, गन्ना, पान और मिष्ठान रखकर पूजा की तैयारी की। सूर्यास्त के समय महिलाओं ने दूध और जल से सूर्य को अर्घ्य दिया। इसके बाद छठ मैया की आराधना कर परिवार के मंगल की कामना की।

तेज रफ्तार ट्रेलर ने बाइक सवार महिला को कुचला, मौत

गोरखपुर (उत्तरशक्ति)। बांसगांव थाना क्षेत्र के डिघवा में बृहस्पतिवार अपराह्न करीब तीन बजे तेज रफ्तार ट्रेलर की चपेट में आने से बाइक सवार 30 वर्षीय पिंकी की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे में उसके साथ मौजूद एक वर्षीय बच्चा अभिनव घायल हो गया। घटना से आक्रोशित ग्रामीणों ने ट्रेलर को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया और कौड़ीराम-बांसगांव मार्ग पर बांस-बल्ली लगाकर जाम लगा दिया। करीब तीन घंटे तक आवागमन बाधित रहा। जानकारी के अनुसार, बांसगांव थाना क्षेत्र के लालपुर निवासी ओमप्रकाश यादव की पुत्री पिंकी अपने मामा के साथ बाइक से बाजार करने कौड़ीराम जा रही थी। डिघवा के पास बांसगांव की तरफ से आ रहे तेज रफ्तार ट्रेलर की चपेट में आ गई। हादसे में पिंकी की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक वर्षीय अभिनव घायल हो गया। हादसे के बाद ग्रामीणों ने ट्रेलर को पुलिस को सौंप दिया। इसके बाद बच्चे के भरण-पोषण की व्यवस्था और चालक की गिरफ्तारी की मांग को लेकर सड़क जाम कर दिया। करीब तीन घंटे तक चले प्रदर्शन के दौरान दोनों तरफ वाहनों की लंबी कतार लग गई। सूचना पर पहुंचे उपजिलाधिकारी बांसगांव मलखान सिंह और क्षेत्राधिकारी अनुज कुमार सिंह ने ग्रामीणों को समझाकर शांत कराया। अधिकारियों के समझाने के बाद जाम समाप्त हुआ। पुलिस ने महिला के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

दहेज के लिए विवाहिता को घर से निकाला

बड़हलगंज। अतिरिक्त दहेज में नकदी और चार पहिया वाहन की मांग पूरी न होने पर विवाहिता को प्रताड़ित कर घर से निकालने का मामला सामने आया है। पुलिस ने पति समेत पांच लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। नगर के कसाब टोला निवासी इनामुल हक ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उन्होंने अपनी बेटी कनिज फातिमा की शादी सात सितंबर 2025 को मऊ जिले के नई बस्ती निवासी इशरारूल हक से की थी। आरोप है कि शादी में पर्याप्त दान-दहेज देने के बावजूद ससुराल वाले अतिरिक्त दहेज की मांग करने लगे। मांग पूरी न होने पर बेटी को प्रताड़ित किया गया। आरोप है कि गर्भवती होने पर चार अप्रैल 2026 को उसे दवा खिलाकर जबरन गर्भपात कराया और मारपीट कर घर से निकाल दिया गया।

उत्तर भारतीय संघ के अध्यक्ष संतोष सिंह ने छठ महापर्व पर पवई में वितरित की साड़ियां



मुंबई । छठ महापर्व के पावन अवसर पर उत्तर भारतीय संघ की ओर से पवई में महिलाओं के बीच साड़ियों का वितरण किया गया। संघ के अध्यक्ष संतोष सिंह ने महिलाओं को साड़ियां भेंट कर छठ महापर्व की शुभकामनाएं दीं।

इस आयोजन का उद्देश्य छठ पूजा की खुशियां समाज की महिलाओं के साथ साझा करने के साथ जरूरतमंद महिलाओं की मदद करना था। इस अवसर पर बड़ी संख्या में महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

संतोष सिंह ने कहा कि छठ पूजा आस्था, समर्पण, प्रकृति के प्रति सम्मान और सामाजिक समरसता का पर्व है। ऐसे आयोजनों से समाज में आपसी सहयोग, भाईचारे और एकता की भावना मजबूत होती है। उत्तर भारतीय संघ सामाजिक और सांस्कृतिक गतिविधियों के माध्यम से समाज के लोगों को जोड़ने के लिए निरंतर प्रयासरत है। उत्तर भारतीय संघ की ओर से पवई में महिलाओं के बीच साड़ियों का वितरण किया गया। संघ के अध्यक्ष संतोष सिंह ने महिलाओं को साड़ियां भेंट कर छठ महापर्व की शुभकामनाएं दीं। इस आयोजन का उद्देश्य छठ पूजा की खुशियां समाज की महिलाओं के साथ साझा करने के साथ जरूरतमंद महिलाओं की मदद करना था। इस अवसर पर बड़ी संख्या में महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। संतोष सिंह ने कहा कि छठ पूजा आस्था, समर्पण, प्रकृति के प्रति सम्मान और सामाजिक समरसता का पर्व है। ऐसे आयोजनों से समाज में आपसी सहयोग, भाईचारे और एकता की भावना मजबूत होती है। उत्तर भारतीय संघ सामाजिक और सांस्कृतिक गतिविधियों के माध्यम से समाज के लोगों को जोड़ने के लिए निरंतर प्रयासरत है।

पत्नी से विवाद के बाद ठेकेदार ने लाइसेंसी पिस्टल से खुद को गोली मारकरदी जान

गोरखपुर (उत्तरशक्ति)। गोरखपुर के रामगढ़ताल थाना क्षेत्र के फुलवरिया में शनिवार देर रात घरेलू विवाद के बाद एक ठेकेदार ने लाइसेंसी पिस्टल से खुद को गोली मारकर जान दे दी। मृतक की पहचान 47 वर्षीय अजीत सिंह के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि पति-पत्नी के बीच पिछले कई दिनों से विवाद चल रहा था। शनिवार रात भी दोनों के बीच कहासुनी हुई थी। इसके बाद अजीत कमरे में चले गए और खुद को गोली मार ली। गोली चलने की आवाज सुनकर परिवार के लोग मौके पर पहुंचे तो अजीत खून से लथपथ हालत में पड़े थे। परिजनों ने तत्काल डायल 112 पर सूचना दी। जानकारी मिलते ही रामगढ़ताल थाने की पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण करने के बाद शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना की गंभीरता को देखते हुए फोरेंसिक टीम और फील्ड यूनिट को भी मौके पर बुलाया गया। टीम ने घटनास्थल से जरूरी साक्ष्य जुटाए। शुरूआती जांच में घरेलू विवाद के चलते आत्मघाती कदम उठाने की बात सामने आई है। घटना शनिवार रात करीब 12 बजे की बताई जा रही है। दक्षिणी महासागर के भारतीय क्षेत्र में घुलित ऑक्सीजन की मात्रा बढ़ी (सांकेतिक)प्रीमियम

महासागर की सांसें: घुलित ऑक्सीजन की मात्रा में उल्लेखनीय वृद्धि, सुखद संकेत के बीच विकास संबंधी प्राथमिकताएं बदलना जरूरी सीओ कोतवाली ओंकार दत्त तिवारी ने बताया कि ठेकेदार ने अपनी लाइसेंसी पिस्टल से गोली मारी है। पति-पत्नी के बीच पिछले कई दिनों से विवाद चल रहा था। घटना के पीछे की वास्तविक वजह और विवाद के अन्य पहलुओं की जांच की जा रही है।

केडीआर फाउंडेशन द्वारा नि:शुल्क नेत्र परीक्षण एवं स्वास्थ्य शिविर का आयोजन



जौनपुर। जनपद की प्रतिष्ठित सामाजिक संस्था केडीआर फाउंडेशन के तत्वावधान में केडीआर हाउस, 36 बदलापुर, जौनपुर में एक विशाल निःशुल्क नेत्र परीक्षण एवं स्वास्थ्य शिविर का सफल आयोजन किया गया। इस शिविर में क्षेत्र के तमाम लोगों और बच्चों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। शिविर के दौरान लगभग 150 मरीजों की आँखों की निःशुल्क जाँच की गई। मोतियाबिंद की पहचानः जाँच के उपरांत करीब 80 मरीजों में मोतियाबिंद (Cataract) की पुष्टि हुई। शिविर में बच्चों के स्वास्थ्य की भी विशेष जाँच की गई, जिसमें लगभग 70 बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। जिन मरीजों में मोतियाबिंद पाया गया है, उन्हें फाउंडेशन द्वारा आरजे शंकरा अस्पताल ले जाकर निःशुल्क ऑपरेशन कराया जाएगा, जिससे उन्हें आँखों की रोशनी वापस पाने में पूरी मदद मिल सके। ?केडीआर फाउंडेशन का यह प्रयास ग्रामीण और जरूरतमंद क्षेत्रों के लोगों के स्वास्थ्य सुधार और नेत्र देखभाल की दिशा में एक सराहनीय कदम है, जिसकी स्थानीय लोगों द्वारा खूब सराहना की जा रही है। संस्था के अध्यक्ष विनोद आर सिंह ने बताया कि मानवता की सेवा करना ही इस संस्था का उद्देश्य है। अपने माता पिता के आशीर्वाद से वे हमेशा लोगों की भलाई का काम करते रहेंगे।

ट्रेन से कटकर मां-तीन बेटियों की मौत



बाराबंकी (उत्तरशक्ति)। बाराबंकी में गांधी नगर मोहल्ले में शुक्रवार शाम एक हृदय विदारक घटना में किरण पाल (39) और उनकी तीन बेटियों कनिष्का, अनुष्का व काव्या की ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई। शनिवार को चारों शवों का पोस्टमार्टम कराया गया। पोस्टमार्टम हाउस पर पहुंचे रिश्तेदारों और परिचितों के बीच परिवार का दर्द छलक पड़ा। मृतका के पिता और पति ने घटना को लेकर अपनी बात रखी।

किरण के पिता बाबूराम ने बताया कि वह घटना से तीन दिन पहले अपनी बेटी से मिलने गए थे। उस समय न तो उसने किसी तरह की परेशानी बताई थी और न ही वह परेशान दिखाई दे रही थी। पिता के मुताबिक, उन्हें बिल्कुल अंदाजा नहीं था कि परिवार पर ऐसा दुख टूट पड़ेगा। किरण के पति तेजराम ने कहा कि कुछ लोग लोन की किस्त कटने की वजह से पत्नी के परेशान होने की बात कह रहे हैं, लेकिन ऐसा नहीं था। उनकी पत्नी बहुत हिम्मती थी। शहर में बाढ़ आई थी, तब भी उसने पूरे परिवार के साथ मजबूती से परिस्थितियों का सामना किया था और वह मुश्किल वक्त में भी हिम्मत नहीं हारती थी। पति ने घटना को लेकर यह भी कहा कि संभव है कि यह दुर्घटना रही हो। जांच के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि जो होना था, वह हो गया। इस हादसे में परिवार की 12 वर्षीय बेटी रिया बच गई थी। घटना के वक्त वह अपने पिता के साथ बाजार गई हुई थी। मां और तीन बहनों की मौत के बाद अब परिवार में रिया ही बची है। शनिवार को पोस्टमार्टम के दौरान पहुंचे परिजन और रिश्तेदार गमगीन नजर आए। पूरे घटनाक्रम को लेकर अब भी कई सवाल हैं, जिनके जवाब पुलिस की जांच के बाद ही सामने आ सकेंगे।

1.61 करोड़ की लागत से बनेगा लखिया नाले पर पुल, विधायक ने किया भूमिपूजन

नवनिर्मित पंचायत भवन का भी किया लोकार्पण, दो दर्जन गांवों के लोगों को मिलेगी आवागमन में सुविधा



बदलापुर ,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। बदलापुर विधानसभा क्षेत्र के ग्राम नरायनपुर और खैरपारा चौहान बस्ती के मध्य स्थित लखिया नाले पर 1 करोड़ 61 लाख रुपये की लागत से बॉक्स कलवर्ट (पुल) का निर्माण कराया जाएगा। रविवार को विधायक रमेश चंद्र मिश्रा ने पुल के पहुंच मार्ग एवं अतिरिक्त पहुंच मार्ग के निर्माण कार्य के लिए भूमिपूजन किया। इस दौरान उन्होंने नवनिर्मित पंचायत भवन का भी लोकार्पण किया। पुल का निर्माण होने से आसपास की करीब दो दर्जन ग्राम सभाओं के निवासियों को आवागमन में सुविधा मिलेगी। स्थानीय लोगों को आने-जाने में होने वाली परेशानियों से राहत मिलने की उम्मीद है। पुल के साथ पहुंच मार्ग एवं अतिरिक्त पहुंच मार्ग का निर्माण होने से क्षेत्र में आवागमन और सुगम होगा। विधायक कार्यालय की ओर से रविवार शाम करीब चार बजे दी गई जानकारी के अनुसार, कार्यक्रम में आशीष सिंह आशु, बलबीर गौड़, संजय सिंह, पिंकू सिंह, सुशील सिंह, अशोक सिंह, शैलेंद्र सिंह, विपिन चतुर्वेदी, रोहित सिंह, पंचायत सचिव अवनीश यादव, महेश तिवारी, ग्राम प्रधान सुनीता यादव, धनंजय यादव, आजाद यादव, सुवरन पाल, विनोद चौहान, ओम प्रकाश सरोज, देवेंद्र सिंह, उमाशंकर मिश्र और निरहु गुप्ता सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

इंदौर में सब्जी मंडी में गंदगी मिलने पर दरोगा का वेतन कटेगा: कमिश्नर क्षितिज सिंघल

प्रणित नरेंद्र तिवारी चीफ ब्यूरो



इंदौर (उत्तरशक्ति)। इंदौर में सफाई व्यवस्था में लापरवाही मिलने पर नगर निगम कमिश्नर क्षितिज सिंघल ने कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। रविवार को सफाई व्यवस्था का निरीक्षण करने के दौरान माल गंज सब्जी मंडी में गंदगी और दुकानों पर डस्टबिन नहीं मिलने पर उन्होंने वार्ड दरोगा आशीष ऊटवाल का 7 दिन का वेतन काटने को कहा।निगम कमिश्नर ने जोन-2 के वार्ड 69 में जवाहर मार्ग, राजमोहल्ला और मालगंज सब्जी मंडी क्षेत्र का निरीक्षण किया। इस दौरान मंडी में सफाई व्यवस्था संतोषजनक नहीं मिली। दुकानों पर कचरा डालने के लिए डस्टबिन भी नहीं रखे गए थे।निगम कमिश्नर ने मंडी की सभी दुकानों पर डस्टबिन रखना अनिवार्य किया है। दुकानदारों को कचरा डस्टबिन में ही डालने और उसके उचित संग्रहण की व्यवस्था करने के निर्देश दिए। उन्होंने मंडी क्षेत्र में दिन के साथ रात में भी नियमित सफाई सुनिश्चित करने को कहा है।

नहाय-खाय से शुरू हुआ छठ महापर्व, बाजार में फल महंगे, घाटों पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम



गोरखपुर (उत्तरशक्ति)। लोक आस्था का चार दिवसीय छठ महापर्व शुक्रवार से नहाय-खाय के साथ शुरू हुआ। व्रती महिलाएं स्नान कर कद्दू-चावल ग्रहण करेंगी। इसके साथ ही छठ पूजा शुरू हो जाएगी। शनिवार को खरना होगा, जबकि रविवार को निर्जला व्रत रखकर व्रती महिलाएं अस्ताचलगामी सूर्य (डूबते हुए सूर्य) को अर्घ्य देंगी। सोमवार को उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देने के साथ महापर्व का समापन होगा। बेतियाहाता हनुमान मंदिर के महंत आचार्य राम नारायण त्रिपाठी के अनुसार, इस वर्ष छठ महापर्व की शुरूआत 13 नवंबर को मूल नक्षत्र, धृति योग और रवियोग में हो रही है। पहले दिन व्रती महिलाएं नदी या तालाब में स्नान करने के बाद घर लौटकर कद्दू-चावल तैयार करेंगी।

इस दिन व्रत रखने वाली महिलाएं कद्दू और चावल का प्रसाद ग्रहण करती हैं। भोजन बनाने में शुद्धता और पवित्रता का विशेष ध्यान रखा जाता है। लहसुन-प्याज का प्रयोग नहीं किया जाता है। संयोग होने के साथ सर्वार्थ सिद्धि योग और रवियोग भी रहेगा। पंडित मिश्र के अनुसार, सर्वार्थ सिद्धि योग में होने वाली पूजा को विशेष फलदायी माना जाता है। 14 को खरना के दिन व्रती महिलाएं दिनभर उपवास रखेंगी। शाम पूजा बाद गुड़ और प्रसाद ग्रहण कर 36 घंटे के निर्जला व्रत का संकल्प लेंगी। 15 नवंबर रविवार को कार्तिक शुक्ल षष्ठी पर निर्जला उपवास रखा जाएगा। शाम 5:24 बजे अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य दिया जाएगा। इस दिन रविवार और षष्ठी का 16 नवंबर सोमवार को सुबह 6:37 बजे उदीयमान सूर्य को अर्घ्य दिया जाएगा।

इसके बाद व्रती महिलाएं पारण कर व्रत पूरा करेंगी।

गोरखनाथ संस्कृत विद्यापीठ के ज्योतिष विभागाध्यक्ष डॉ. दिग्विजय शुक्ल के अनुसार, छठ पर्व में भगवान सूर्य के साथ षष्ठी माता की उपासना की जाती है। लोक मान्यता के अनुसार षष्ठी देवी भगवान सूर्य की बहन हैं। यह पर्व संतान की सुख-समृद्धि, परिवार की खुशहाली और आरोग्य की कामना से किया जाता है। इसकी विशेषता सादगी, पवित्रता और लोक परंपराओं में निहित है। पर्व के दौरान घर और रसोई की साफ-सफाई के साथ पूजा में इस्तेमाल होने वाली सामग्री की शुद्धता का विशेष ध्यान रखा जाता है। छठ के पारंपरिक प्रसाद में ठेकुआ, लड्डू और मौसमी फल शामिल होते हैं।

छठ पूजा के दौरान घाटों पर पहुंचने वाले श्रद्धालुओं को बिजली से होने वाली दुर्घटनाओं से बचाने के लिए बिजली निगम विशेष इंतजाम करेगा। घाटों पर बिजली के खंभों को प्लास्टिक से कवर किया जाएगा ताकि करंट उतरने की स्थिति में श्रद्धालुओं को बचाया जा सके। सभी छठ घाटों और पूजा स्थलों पर सुरक्षा के जरूरी इंतजाम किए जाएंगे। अस्थायी बिजली कनेक्शनों में उचित अर्थिंग, एमसीबी, आरसीबी और अन्य सुरक्षा उपकरण लगाए जाएंगे। बिजली निगम के मुख्य अभियंता वितरण लोकेंद्र बहादुर सिंह ने बताया कि सभी उपखंड अधिकारी और अवर अभियंता अपने क्षेत्रों के छठ घाटों का निरीक्षण कर सुरक्षा इंतजाम सुनिश्चित करेंगे।

लोक आस्था के महापर्व छठ पर व्रती महिलाओं, बुजुर्गों और बच्चों की सुविधा प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। प्रशासन का प्रयास है कि यह महापर्व शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न हो। जिला प्रशासन ने सभी घाटों पर व्यवस्थाएं सुनिश्चित की हैं। श्रद्धालुओं को अर्घ्य देने में परेशानी न हो, इसके लिए सुरक्षा, प्रकाश और यातायात के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। गहरे पानी वाले स्थानों पर अप्रिय घटना रोकने के लिए विशेष सतर्कता बरती जा रही है। - दीपक मीणा, डीएम

शहर के बाजारों में छठ महापर्व को लेकर व्यापारियों में उत्साह है। दुकानें हर जरूरी फलों से सजकर तैयार हैं मगर दाम आसमान में पहुंच गए हैं। सुबह ही बाजार खुल जा रहे हैं और दिन चढ़ने के साथ ही ग्राहकों की संख्या भी बढ़ती जा रही है। व्यापारियों ने जमकर तैयारी की है और छठ तक पूरा माल बिक जाने की उम्मीद है। बाजार में इन दिनों कुछ फलों के दाम आसमान छू रहे हैं। किलो के भाव बिकने वाले कुछ फल गिनकर बेचे जा रहे हैं।





वर्ष 2027 डायमंड ज्वेलरी उद्योग के लिए रीसेट और ग्रोथ का वर्ष साबित होगा: संजय शाह

मुंबई(उत्तरशक्ति)। वर्ष 2026 डायमंड ज्वेलरी उद्योग के लिए बड़े संरचनात्मक बदलावों का वर्ष रहा है। एक ओर वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं और भू-राजनीतिक तनाव के कारण ग्राहकों की खरीदारी में सतर्कता देखने को मिली है, वहीं दूसरी ओर ब्रांडेड, डिजाइनर और प्रमाणित ज्वेलरी की मांग में नए रुझान सामने आए हैं। प्राकृतिक हीरों (नेचुरल डायमंड) के मुकाबले लैब-ग्रोन डायमंड (LGD) की बढ़ती प्रतिस्पर्धा ने भी उद्योग के सामने नई चुनौतियां खड़ी की हैं। ऐसे में वर्ष 2027 डायमंड ज्वेलरी उद्योग के लिए रीसेट और ग्रोथ का वर्ष साबित होगा। यह विश्वास ज्वेल मेकर वेलफेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. संजय जीवनलाल शाह ने व्यक्त किया। उद्योग की वर्तमान स्थिति और भविष्य की संभावनाओं पर अपने विचार व्यक्त करते हुए डॉ. संजय शाह ने कहा कि आने वाले समय में विश्वास, गुणवत्ता, पारदर्शिता और आकर्षक डिजाइन ये चार प्रमुख आधार वैश्विक डायमंड ज्वेलरी बाजार की दिशा तय करेंगे। आज ग्राहक केवल आभूषण नहीं खरीदते, बल्कि उसकी गुणवत्ता, प्रमाणिकता, ब्रांड वैल्यू और विश्वसनीयता को भी समान महत्व देते हैं। उन्होंने कहा कि डायमंड ज्वेलरी उद्योग मुख्य रूप से निर्यात आधारित और वैश्विक बाजार से जुड़ा हुआ है। इसलिए अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर होने वाली भू-राजनीतिक अस्थिरता, वैश्विक टैरिफ और बदलती व्यापार नीतियों का सीधा असर भारतीय कारोबार पर पड़ता है। इन परिस्थितियों में निर्यातकों के लिए उत्पादन लागत, नए ऑर्डर और बाजार की योजना बनाना चुनौतीपूर्ण हो गया है। भारत को अब एक या दो बाजारों पर निर्भर रहने के बजाय अमेरिका, यूरोप, मिडिल ईस्ट और एशिया के विभिन्न देशों में निर्यात के अवसर बढ़ाकर अपने



बाजारों का विस्तार करना होगा। डॉ शाह ने कहा कि वर्तमान में उद्योग के सामने सबसे बड़ी चुनौती केवल कच्चे माल की लागत नहीं, बल्कि हीरों की कीमतों, बाजार की मांग और कार्यशील पूंजी के बीच संतुलन बनाए रखना है। हीरों की कीमतों में उतार-चढ़ाव, ग्राहकों का सतर्क रवैया और लंबा इन्वेंटरी चक्र निमार्ताओं एवं व्यापारियों पर वित्तीय दबाव बढ़ा रहा है। विशेष रूप से छोटे और मध्यम उद्योगों (MSME) के लिए सरल प्रक्रिया के माध्यम से उचित ब्याज दर पर कार्यशील पूंजी उपलब्ध कराना बेहद आवश्यक है।

आधुनिक तकनीक के महत्व पर प्रकाश डालते हुए डॉ. शाह ने कहा कि भविष्य के ज्वेलरी उद्योग की कल्पना आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) और डिजिटल तकनीक के बिना संभव नहीं है। प्रोडक्ट डिजाइनिंग से लेकर ग्राहकों की पसंद का विश्लेषण, इन्वेंटरी मैनेजमेंट, मार्केटिंग और बिक्री तक हर क्षेत्र में अकको भूमिका तेजी से बढ़ रही है। तकनीक के प्रभावी उपयोग से न केवल उत्पादन लागत कम होगी, बल्कि ग्राहकों को उनकी पसंद के अनुसार व्यक्तिगत खरीदारी का बेहतर अनुभव भी मिलेगा। उन्होंने कहा कि भारत की वर्षों पुरानी पारंपरिक कारीगरी और अत्याधुनिक तकनीक का समन्वय देश की सबसे बड़ी ताकत बन सकता है। भारतीय कारीगरों की असाधारण कुशलता को आधुनिक डिजाइन और तकनीक से जोड़कर भारत वैश्विक ज्वेलरी बाजार में अपनी मजबूत पहचान स्थापित कर सकता है।

वर्ष 2027 में विकास के नए अवसर होंगे सृजित

डॉ. संजय शाह ने कहा कि आगामी 12 महीनों में भारत के पास विश्वस्तरीय कुशल कारीगरों, विशाल उत्पादन क्षमता और अंतरराष्ट्रीय गुणवत्ता को वैश्विक ब्रांडिंग से जोड़ने का अभूतपूर्व अवसर है। अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में स्थिरता आने के साथ घरेलू खपत और निर्यात दोनों क्षेत्रों में सुधार की उम्मीद है। विशेष रूप से युवा ग्राहकों में ब्रांडेड ज्वेलरी, नए डिजाइन, व्यक्तिगत पसंद के आभूषण और डिजिटल कॉमर्स के बढ़ते प्रभाव से उद्योग को नई गति मिलेगी। सरकार और उद्योग जगत की संयुक्त जिम्मेदारी पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि निर्यात नीतियों का सरलीकरण, टरटए क्षेत्र को सस्ती दरों पर ऋण, कारीगरों के लिए कौशल विकास, तकनीकी निवेश और GST प्रक्रियाओं को अधिक सरल बनाना समय की मांग है। डॉ. संजय जीवनलाल शाह ने विश्वास व्यक्त किया कि भारत के पास प्रतिभाशाली कारीगरों, मजबूत उत्पादन क्षमता और उद्यमियों की प्रतिबद्धता जैसी अमूल्य संपत्ति है। यदि पारंपरिक कारीगरी को आधुनिक तकनीक, गुणवत्ता और वैश्विक ब्रांडिंग से जोड़ा जाए, तो मेड इन इंडिया केवल एक उत्पाद की पहचान नहीं, बल्कि विश्वसनीयता और उत्कृष्टता का वैश्विक प्रतीक बन सकता है। उन्होंने कहा कि उचित रणनीति, दूरदर्शी सोच और सरकार एवं उद्योग के संयुक्त प्रयासों से भारतीय डायमंड ज्वेलरी उद्योग का भविष्य अत्यंत उज्ज्वल है। वर्ष 2027 इस दिशा में नई संभावनाओं, नए निवेश और विकास के नए अध्याय की शुरूआत करेगा।

पत्नी को बेहोश कर दोस्तों से करवाता रेप; खुद करता ऑनलाइन लाइवस्ट्रीम

ब्रिटेन। शादी के बाद जिस शख्स पर एक महिला ने सबसे ज्यादा भरोसा किया, वही उसकी जिंदगी का सबसे बड़ा गुनहगार निकला। ब्रिटेन की एक महिला ने खुलासा किया है कि उसका पति उसे नशीली दवाएं देकर बेहोश कर देता था। इसके बाद दूसरे पुरुषों को घर बुलाकर उसके साथ दुष्कर्म करवाता था और खुद इन घटनाओं को देखता था। इतना ही नहीं, वह कथित तौर पर इन घटनाओं का ऑनलाइन सीधा प्रसारण भी करता था। महिला को करीब पांच साल तक अपने साथ हो रही इस हैवानियत का पता नहीं चला। एक रात अचानक नींद खुलने पर जब उसने खुद को एक अनजान व्यक्ति के यौन हमले का शिकार पाया और दरवाजे पर पति को खड़ा देखा, तब इस खौफनाक सच्चाई का खुलासा हुआ। अब महिला ने अपनी पहचान सार्वजनिक करते हुए ब्रिटिश टेलीविजन चैनल आईटीवी न्यूज पर आपबीती सुनाई है।

डेली मेल की रिपोर्ट के मुताबिक, महिला ने इस सप्ताह अपनी पहचान सार्वजनिक करने का फैसला किया। उन्होंने आईटीवी न्यूज को बताया कि बाहर से उनका पति बिल्कुल सामान्य दिखाई देता था। परिवार की तस्वीरों में दोनों की जिंदगी खुशहाल नजर आती थी, लेकिन घर के भीतर उसका व्यवहार हिंसक और नियंत्रण करने वाला था। महिला के मुताबिक, पति उनकी डॉक्टर द्वारा लिखी गई दवाओं पर पूरा नियंत्रण रखता था। एक घरेलू वीडियो में भी वह उन्हें दवा लेने के लिए कहता दिखाई देता है। महिला को संदेह है कि इन दवाओं का इस्तेमाल उन्हें बेहोश रखने के लिए किया जाता था, ताकि पति दूसरे पुरुषों के साथ मिलकर उनका यौन शोषण कर सके। उन्होंने बताया कि पति कई बार उनके पेय पदार्थ में दवाओं का पाउडर मिला

जफराबाद के नावघाट पर धूमधाम से मनाई गई छठ पूजा, उगते सूर्य को व्रती महिलाओं ने दिया अर्घ्य



गोमती तट पर उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब, भव्य सजावट और सांस्कृतिक कार्यक्रम रहे आकर्षण का केंद्र

जफराबाद , जौनपुर (उत्तरशक्ति)। नगर पंचायत जफराबाद के नावघाट स्थित गोमती नदी के तट पर छठ पूजा का पर्व बड़े ही धूमधाम, श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ मनाया गया। रविवार की सुबह जैसे ही सूर्य देव का उदय हुआ, घाट पर मौजूद व्रती महिलाओं ने विधि-विधान से उगते सूर्य को अर्घ्य अर्पित किया। इस दौरान महिलाओं ने छठी मैया की पूजा-अर्चना कर परिवार की सुख-समृद्धि, खुशहाली और संतान की दीघायुं की कामना की। सुबह से ही घाट पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ जुटी रही और पूरा वातावरण छठी मैया के जयकारों से भक्तिमय बना रहा।

नगर पंचायत जफराबाद की ओर से आयोजित इस धार्मिक कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में समाजसेवी एवं वरिष्ठ भाजपा नेता ज्ञान प्रकाश सिंह शामिल हुए। इस दौरान चेयरमैन प्रतिनिधि डॉ. सरफराज खान ने पुष्पगुच्छ भेंटकर उनका स्वागत एवं अभिनंदन किया।

छठ पूजा के अवसर पर नगर पंचायत की ओर से श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा के लिए विशेष इंतजाम किए गए थे। चेयरमैन प्रतिनिधि डॉ. सरफराज खान ने बताया कि व्रती महिलाओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए घाट पर चेंजिंग रूम की व्यवस्था की गई थी। पूरे घाट को आकर्षक ढंग से सजाया गया था। इसके साथ ही गोमती नदी में किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए गोताखोरों की तैनाती की गई थी। सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाए रखने के लिए पोर्टेबल सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से पूरे घाट की निगरानी की जा रही थी।

घाट पर आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आकर्षण का प्रमुख केंद्र रहा। भक्ति संगीत और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिलाओं, पुरुषों और बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस अवसर पर समाजसेवी एवं वरिष्ठ भाजपा नेता ज्ञान प्रकाश सिंह ने कहा कि छठ पूजा भारतीय संस्कृति और आस्था का महत्वपूर्ण पर्व है। यह पर्व श्रद्धा, भक्ति, अनुशासन और सूर्य उपासना का संदेश देता है। छठ पर्व के माध्यम से लोग प्रकृति और सूर्य देव के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हैं तथा परिवार और समाज की सुख-समृद्धि की कामना करते हैं। कार्यक्रम के दौरान चेयरमैन प्रतिनिधि डॉ. सरफराज खान, अधिशासी अधिकारी विजय कुमार सिंह, सभासद सुनीता देवी, जोगेंद्र निषाद, ओवैस खान, शाहनवाज, वेद प्रकाश सहित बड़ी संख्या में श्रद्ध एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

बेटी की शादी का निमंत्रण बांटकर लौट रही मां की सड़क हादसे में मौत, 18 नवंबर को होनी थी शादी

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। रामपुर थाना क्षेत्र में रविवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे में बाइक सवार महिला की मौत हो गई। महिला अपने बेटे के साथ बेटी की शादी का निमंत्रण कार्ड बांटकर घर लौट रही थी। उसकी बेटी की शादी आगामी 18 नवंबर को होनी थी। हादसे की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया और शादी की खुशियां मातम में बदल गईं। जानकारी के अनुसार, कुंभापुर गांव निवासी निर्मला (पत्नी स्वर्गीय राजमनि गौतम) अपने बेटे सचिन के साथ भदोही में रिश्तेदारों के यहां शादी का निमंत्रण कार्ड बांटने गई थीं। रविवार को दोनों बाइक से घर लौट रहे थे। इसी दौरान रामपुर सेमुही मोड़ के पास पीछे से तेज रफ्तार में आई एक कार ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही निर्मला सड़क पर गिर पड़ीं। आरोप है कि कार चालक उन्हें कुचलते हुए वाहन सहित मौके से फरार हो गया। हादसे में महिला गंभीर रूप से घायल हो गईं। सूचना मिलने पर पुलिस ने एंबुलेंस की सहायता से उन्हें नजदीकी अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मृतका के बेटे सचिन ने बताया कि उसकी बहन की शादी 18 नवंबर को तय थी। वह अपनी मां के साथ भदोही में रिश्तेदारों को शादी का कार्ड बांटने गया था। वहां से लौटते समय पीछे से आई कार ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी, जिससे यह हादसा हो गया। इस संबंध में रामपुर थाना प्रभारी रमेश कुमार ने बताया कि घटना के संबंध में परिजनों की तहरीर प्राप्त हो गई है। हादसे में शामिल कार का नंबर यूपी 62 डीजे 7555 बताया गया है। पुलिस वाहन की तलाश में जुटी है। महिला के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है।

हरियाणा में दिव्यांग कर्मचारियों को 58 साल बाद नहीं मिलेगी दोबारा ज्वाइनिंग

चंडीगढ़ । हरियाणा में दिव्यांग सरकारी कर्मचारियों को 58 साल की उम्र के बाद नौकरी में बनाए रखने को लेकर चल रहे विवाद में प्रदेश सरकार ने अपना रुख साफ कर दिया है। 58 साल की आयु पूरी होने पर सेवानिवृत्त किए जा चुके कर्मचारियों को अब दोबारा ज्वाइनिंग नहीं दी जाएगी। वित्त विभाग ने सभी प्रशासनिक सचिवों और विभागाध्यक्षों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि ऐसे कर्मचारियों को सेवा में वापस शामिल न किया जाए। वहीं, जिन कर्मचारियों को अभी तक सेवा से मुक्त नहीं किया गया है और जिन्हें अदालत से अंतरिम संरक्षण मिला हुआ है, उन्हें फिलहाल नौकरी में बनाए रखना होगा। उनका वेतन भी जारी रहेगा। दरअसल, हरियाणा में सरकारी कर्मचारियों की सामान्य सेवानिवृत्ति आयु 58 वर्ष निर्धारित है। दिव्यांग और दृष्टिबाधित कर्मचारियों को नियमों के तहत 60 वर्ष तक सेवा में बने रहने की विशेष सुविधा मिलती थी।

मुख्यमंत्री सैनी पंजाब में जाकर कानून व्यवस्था सुधारने की बात करते हैं

जींद। कांग्रेस सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा ने रविवार को जींद में भाजपा सरकार पर जमकर निशाना साधा। वे जींद में आयोजित इंटक के हरियाणा राज्य स्तरीय प्रतिनिधि सम्मेलन में शामिल होने पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने प्रदेश की कानून व्यवस्था, बेरोजगारी, किसान-मजदूरों के अधिकारों और चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली को लेकर सरकार पर गंभीर आरोप लगाए।

सांसद दीपेंद्र हुड्डा ने कहा कि आज हरियाणा में कानून व्यवस्था पूरी तरह ठप हो चुकी है। प्रदेश में फिरौती और गैंगस्टरों का राज चल रहा है। दूसरे राज्यों के गैंगस्टर हरियाणा को अपना ठिकाना बना रहे हैं, क्योंकि यहां कानून व्यवस्था पूरी तरह फेल हो चुकी है।

उन्होंने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी पर निशाना साधते हुए कहा कि मुख्यमंत्री पंजाब में जाकर बयान देते हैं कि भाजपा की सरकार आने पर गैंगस्टर पंजाब छोड़कर भाग जाएंगे। मुख्यमंत्री को पहले हरियाणा से गैंगस्टरों का सफाया करना चाहिए। उन्होंने गोहाना में प्रॉपर्टी डीलर की हत्या का जिक्र करते हुए कहा कि इस मामले में अलग-अलग गैंग के नाम सामने आ रहे हैं।

उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार में किसानों और मजदूरों के अधिकारों का हनन किया जा रहा है। लेबर कोड बिल के माध्यम से मजदूरों के अधिकार छीने जा रहे हैं। सरकारी संपत्तियों को निजी कंपनियों के हाथों में बेचा जा रहा है और हरियाणा में रोजगार के अवसर समाप्त किए जा रहे हैं। दीपेंद्र हुड्डा ने कहा कि कांग्रेस का वोट चोरी चौपाल अभियान गांव-गांव जाकर लोगों को जागरूक करने के लिए चलाया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि छल करके हरियाणा में भाजपा की सरकार बनाई गई और अब जनता विरोधी फैसले लिए जा रहे हैं। भाजपा ने जनता से जो वादे किए थे, उन्हें पूरा नहीं किया जा रहा है। चुनाव आयोग पर सवाल उठाते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव परिणामों को प्रभावित करने के लिए आयोग का इस्तेमाल किया जा रहा है। यह देश के लोकतंत्र के लिए दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने रक्फ़प्रक्रिया का जिक्र करते हुए दावा किया कि हरियाणा में 35 लाख वोट काटे गए हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि जब प्रदेश में भाजपा की सरकार महज 14 हजार वोटों के अंतर से बनी थी, तो आखिर ये वोट किन लोगों के काटे गए। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र का गला दबाया जा रहा है। इस दौरान उन्होंने भाजपा सरकार की नीतियों पर सवाल उठाते हुए कहा कि प्रदेश की जनता सरकार से परेशान है और कांग्रेस लगातार जनता के मुद्दों को उठा रही है।

दीपावली पर वाराणसी की तर्ज पर जगमगाएगा डूंगरपुर, 750 साल पुरानी विरासत देखने उमड़ेंगे पर्यटक

डूंगरपुर। राजस्थान की 'सिटी ऑफ हिल्स' डूंगरपुर इस दीपावली पर रोशनी और आकर्षक सजावट से जगमगाने के लिए तैयार है। करीब 750 साल पुरानी ऐतिहासिक विरासत, खूबसूरत झीलों और भव्य राजमहलों के लिए मशहूर डूंगरपुर में इस बार पर्यटकों को खास आकर्षण देखने को मिलेंगे। नगर परिषद की ओर से शहर को वाराणसी की तर्ज पर सजाने की तैयारी की जा रही है। वहीं, गेप सागर झील की पाल पर पहली बार भव्य लेजर और ग्राफिक शो का आयोजन होगा। नगर परिषद सभापति सुशीला गुप्ता ने बताया कि दीपावली को खास और ऐतिहासिक बनाने के लिए 6 नवंबर से 10 नवंबर तक विशेष आयोजन किए जाएंगे। इस दौरान गेप सागर झील के किनारे लेजर और ग्राफिक शो के जरिए आकर्षक दृश्य प्रस्तुत किए जाएंगे। आयोजन को लेकर शहरवासियों के साथ-साथ बाहर से आने वाले पर्यटकों में भी उत्साह है। डूंगरपुर की भौगोलिक स्थिति और गुजरात से नजदीकी इसे पर्यटन के लिहाज से खास बनाती है। दीपावली के अवसर पर गुजरात सहित अन्य राज्यों से आने वाले पर्यटकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए नगर परिषद ने विशेष इंतजाम किए हैं। पर्यटकों के लिए धर्मशालाओं और अन्य स्थानों पर कम खर्च में ठहरने की व्यवस्था की जा रही है। इसके साथ ही शहर के मध्य तहसील चौराहे पर पर्यटन सहायता केंद्र स्थापित किया गया है। यहां पर्यटकों को प्रमुख दर्शनीय स्थलों, उनके ऐतिहासिक महत्व और भ्रमण से जुड़ी जानकारी उपलब्ध कराई जाएगी। डूंगरपुर की पहचान केवल ऐतिहासिक महलों और झीलों तक सीमित नहीं है। स्वच्छता के क्षेत्र में भी शहर ने राष्ट्रीय स्तर पर अपनी अलग पहचान बनाई है। घर-घर कचरा संग्रहण, गीले और सूखे कचरे का पृथक्करण, नियमित सफाई और नागरिकों की भागीदारी ने शहर को स्वच्छता की मिसाल बनाया है। स्वच्छ सर्वेक्षण 2024-25 में डूंगरपुर को सुपर स्वच्छ लीग सिटी में स्थान मिला। शहर पांच बार राष्ट्रीय स्तर पर स्वच्छता सम्मान हासिल कर चुका है। स्वच्छता और जनभागीदारी के इन प्रयासों की सराहना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और राजस्थान के मुख्यमंत्री भी कर चुके हैं। डूंगरपुर के बीचोंबीच स्थित गेप सागर झील शहर की खूबसूरती का प्रमुख केंद्र है। झील के शांत पानी में महलों और मंदिरों की परछाइयां पर्यटकों को आकर्षित करती हैं। सूर्यास्त के समय यहां का नजारा बेहद खूबसूरत दिखाई देता है।

इजराइल का गाजा में फिर बड़ा हमला, हमास की राफा ब्रिगेड का कमांडर किया ढेर

इजराइल। इजराइली सुरक्षाबलों ने दक्षिणी गाजा में शनिवार देर रात किए गए हवाई हमलों में हमास के शीर्ष कमांडर समीर महमूद हसन अबू यूनुस को मार गिराया। इजराइल ने रविवार को इसकी जानकारी दी। हमास ने भी एक बयान जारी कर अपनी राफा ब्रिगेड के कमांडर अबू यूनुस की मौत की पुष्टि की है। संगठन के अनुसार, उसका अंतिम संस्कार रविवार को किया जाएगा। इजराइली सेना ने बताया कि शनिवार आधी रात के तुरंत बाद किए गए हमले में अबू यूनुस मारा गया। सेना के मुताबिक, वह हमास की सैन्य क्षमताओं को मजबूत करने के साथ-साथ इजराइल के खिलाफ आतंकवादी हमलों की योजना बनाने और उन्हें अंजाम देने का निर्देशन कर रहा था।



गौरतलब है कि करीब दो महीने पहले अबू यूनुस से पहले राफा ब्रिगेड के कमांडर रहे व्यक्ति को भी इजराइली हमले में मार दिया गया था। रविवार को इजराइली सेना ने हमास के अन्य लड़ाकों को भी निशाना बनाने की जानकारी दी, हालांकि उनके बारे में कोई विस्तृत जानकारी नहीं दी गई। इस बीच ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड ने दावा किया है कि उसने बहरीन में अमेरिकी हेलीकॉप्टर अड्डे पर स्थापित एक रडार प्रणाली को निशाना बनाया है। ईरान की सरकारी समाचार एजेंसी इरना ने यह जानकारी दी। हालांकि, अमेरिकी सेना की केंद्रीय कमान ने इस दावे पर तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं दी।

इससे पहले शुक्रवार को अमेरिकी केंद्रीय कमान ने बताया था कि उसने बहरीन की ओर बढ़ रहे ईरान के दो ड्रोन को निष्क्रिय कर दिया। अमेरिकी सेना ने ईरान के उस दावे को भी खारिज किया था, जिसमें उसने बहरीन में अमेरिका की पूर्व चेतावनी रडार प्रणाली पर हमला करने की बात कही थी। उधर, यमन की राजधानी सना में हुए हवाई हमले में दो महिलाओं और दो बच्चों के घायल होने की जानकारी सामने आई है। ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों के स्वास्थ्य अधिकारियों ने यह दावा किया है। उन्होंने हमले के लिए सऊदी अरब को जिम्मेदार ठहराया, हालांकि इसके समर्थन में कोई सबूत पेश नहीं किया।

देवर ने भाभी के साथ कर दिया ऐसा कांड, सोशल मीडिया पर हड़कंप

शहडोल। जमीन को लेकर शुरू हुआ विवाद इतना गहरा गया कि पारिवारिक रिश्तों की मयार्दा ही टूट गई। पुरानी रंजिश का बदला लेने के लिए एक देवर ने कथित तौर पर अपनी ही भाभी की निजता को निशाना बनाया। घर के आंगन में घरेलू काम कर रही महिला की चोरी-छिपे आपत्तिजनक तस्वीरें और वीडियो बनाए गए और बाद में उन्हें सोशल मीडिया पर प्रसारित कर दिया गया। जब इस घटना की जानकारी महिला को हुई तो उसके पैरों तले जमीन खिसक गई। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी देवर के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर उसे हिरासत में ले लिया है। मामला मध्य प्रदेश के शहडोल जिले के बुढ़ार थाना क्षेत्र की केशवाही चौकी अंतर्गत बरंगवां गांव का है। यहां जमीन के विवाद को लेकर एक ही परिसर में रहने वाले देवर और भाभी के बीच लंबे समय से अनबन चल रही थी। बताया जा रहा है कि इसी पुरानी रंजिश के चलते आरोपी ने महिला को परेशान करने और बदनाम करने की कथित योजना बनाई। पुलिस को मिली शिकायत के अनुसार, महिला अपने घर के आंगन में रोजमर्रा के घरेलू काम कर रही थी। इसी दौरान आरोपी ने दीवार की दूसरी तरफ से मोबाइल फोन के जरिए उसकी गतिविधियों को रिकॉर्ड कर लिया। आरोप है कि आरोपी ने महिला की निजता का उल्लंघन करते हुए आपत्तिजनक तस्वीरें और वीडियो तैयार किए। इतना ही नहीं, बाद में इन तस्वीरों और वीडियो को सोशल मीडिया पर वायरल भी कर दिया। महिला को जब अपने ही परिवार के सदस्य की इस हरकत के बारे में पता चला तो वह हैरान रह गई। जिस व्यक्ति के साथ पारिवारिक रिश्ता था, उसी पर इस तरह की हरकत करने का आरोप लगने से मामला और गंभीर हो गया। घटना के बाद पीड़िता ने पुलिस से संपर्क किया और पूरे मामले की शिकायत दर्ज कराई। मामले की गंभीरता को देखते हुए बुढ़ार पुलिस ने पीड़िता की शिकायत के आधार पर आरोपी के खिलाफ संबंधित कानूनी धाराओं में मामला दर्ज किया। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर आगे की वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी है। इस संबंध में बुढ़ार थाना पुलिस ने बताया कि जमीन को लेकर पुरानी रंजिश के चलते आरोपी ने अपनी भाभी के फोटो और वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल किए थे। महिला की शिकायत पर प्रकरण दर्ज कर आरोपी को हिरासत में लिया गया है और मामले में वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। फिलहाल यह मामला पारिवारिक विवाद के बीच महिला की निजता के कथित उल्लंघन और सोशल मीडिया के दुरुपयोग से जुड़ा है। जमीन के विवाद में बदले की भावना से उठाया गया यह कदम अब पुलिस कार्रवाई तक पहुंच गया है।

विधानसभा चुनाव से पहले दल-बदली को लेकर कांग्रेस का सख्त फैसला

पंजाब । पंजाब विधानसभा चुनाव से पहले दल-बदली का दौर शुरू हो गया है। इस बीच पंजाब कांग्रेस ने बड़ा फैसला लिया है। दूसरी राजनीतिक पार्टियों के नेताओं को कांग्रेस में शामिल करने की प्रक्रिया की देखरेख और कोऑर्डिनेशन के लिए पंजाब प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने 4-मेंबर कमेटी का गठन किया है। इसे लेकर लिखित आदेश जारी किए हैं। इस कमेटी में विजय इंदर सिंगला, अरुणा चौधरी, कुशलदीप सिंह ढिल्लों, हरदेव सिंह लाडी को शामिल किया गया है। आदेशों में साफ किया गया है कि किसी भी बाहरी राजनीतिक नेता को पार्टी में शामिल करने से पहले संबंधित इलाके के सीनियर कांग्रेस नेताओं से सलाह करना जरूरी होगा। संबंधित जिला कांग्रेस कमेटी के प्रधान से भी पूरी चर्चा की जाएगी। शामिल करने की पूरी प्रक्रिया लोकल पार्टी लीडरशिप की राय को ध्यान में रखकर और उनके साथ पूरे कोऑर्डिनेशन से ही आगे बढ़ाई जाएगी।

अस्त होते सूर्य को नमन, आस्था से जगमगाए गंगा के घाट

-सुरेश गांधी

वाराणसी। गंगा की लहरों पर उतरती सूर्य की सुनहरी आभा... क्षितिज पर धीरे-धीरे ओझल होता दिनमान... जल में खड़ी हजारों व्रतियों के हाथों में सजे सूप और उनमें टिमटिमाते दीप... आस्था के इस अद्भुत दृश्य ने रविवार की संध्या काशी को मानो देवभूमि में बदल दिया। लोकआस्था के महापर्व छठ के तीसरे दिन गंगा के घाटों से लेकर वरुणा तट, कुंडों, सरोवरों और तालाबों तक श्रद्धा का ऐसा सैलाब उमड़ा कि हर ओर भक्ति, विश्वास और लोकसंस्कृति की अनुपम छटा बिखर गई। अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य देने के लिए उमड़े व्रतियों के जनसमूह के बीच कहीं छठी मइया के गीत गूंज रहे थे तो कहीं 'हर-हर महादेव' और 'जय छठी मइया' के उद्घोष से वातावरण गुंजायमान था।

शाम होते-होते काशी के घाटों का नजारा देखते ही बन रहा था। नमो घाट से अस्सी और दशाश्वमेध से राजघाट तक गंगा का पूरा तट श्रद्धालुओं से गुलजार रहा। पंचगंगा, प्रह्लाद, भदैनी, तुलसी, सामने और कचहरी स्थित लाल बहादुर शास्त्री घाट समेत छोटे-बड़े सभी घाटों पर व्रतियों और उनके परिजनों का रेला उमड़ पड़ा। बरेका स्थित सूर्य सरोवर सहित डीएलडब्ल्यू, शिवपुर के गणेश पोखरा और शहर के अन्य कुंडों, तालाबों व जलाशयों पर भी छठ की अनुपम छटा दिखाई दी। कहीं सिर पर दउरा उठाए पुरुष आगे बढ़ रहे थे तो पीछे सूप में प्रसाद सजाए महिलाएं छठ गीत गुनगुनाती घाटों की ओर जा रही थीं। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक हर कोई इस अलौकिक क्षण का साक्षी बनने को आतुर था।

गोधूलि बेला में सूर्यदेव को अर्घ्य, गूंज उठे घाट

दोपहर बाद से ही घाटों पर पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया था। सूप और दउरा में नारियल, केला, गन्ना, अदरक, हल्दी,



शकरकंद, मौसमी फल और घरों में शुद्धता से तैयार ठेकुआ सजाए गए थे। कहीं दूध और गंगाजल से भरे कलश रखे थे तो कहीं केले के पत्तों और फूलों से पूजन स्थल सजाया गया था। जैसे-जैसे अर्घ्य का समय करीब आता गया, घाटों पर श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ती गई। व्रती जल में उतरकर सूर्य की ओर एकटक निहारते रहे। फिर गोधूलि बेला में अस्ताचलगामी सूर्य को दूध और गंगाजल से अर्घ्य अर्पित कर परिवार के आरोग्य, संतान की दीघायुं और सुख-समृद्धि की कामना की। सूर्य की अंतिम किरणों के साथ घाटों पर दीपों की कतारें और श्रद्धा के उठे हाथ एक अद्भुत आध्यात्मिक दृश्य रचते रहे।

छठ गीतों में घुली लोकसंस्कृति की मिठास

घाटों पर छठ की पारंपरिक धुनों ने वातावरण को पूरी तरह भक्तिमय बना दिया। 'केलवा के पात पर उगेलन सुरुज मल झांके ऊंके...' और 'कांच ही बांस के बहंगिया...' जैसे लोकगीतों की स्वर लहरियां गंगा की लहरों के साथ दूर तक गूंजती रहीं। कहीं महिलाएं समूह में गीत गा रही थीं तो कहीं परिवार की बुजुर्ग महिलाएं नई पीढ़ी को पर्व की परंपराओं और महत्ता से परिचित करा रही थीं। कई व्रती दंडवत प्रणाम करते हुए घाटों तक पहुंचे। घाटों पर समितियों की ओर से आकर्षक सजावट की गई थी। कहीं दीपों से सूर्य की आकृति बनाई गई तो कहीं फूलों से सजी वेदिकाओं और प्रतिमाओं ने श्रद्धालुओं का मन मोह लिया। झिलमिल रोशनी, दीपों की लौ और लोकगीतों की गूंज ने काशी की संध्या को अविस्मरणीय बना दिया।

शास्त्री घाट पहुंचे मंत्री रविन्द्र जायसवाल, व्यवस्थाओं पर जताया संतोष

कचहरी स्थित लाल बहादुर शास्त्री घाट पर भी श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। इस मौके पर प्रदेश के स्टाम्प एवं न्यायालय शुल्क तथा पंजीयन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) रविन्द्र जायसवाल मौजूद रहे। उन्होंने व्रतियों और श्रद्धालुओं को छठ महापर्व की शुभकामनाएं दीं तथा घाट पर की गई व्यवस्थाओं का जायजा लिया। मंत्री ने साफ-सफाई, प्रकाश, सुरक्षा और श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए किए गए इंतजामों पर संतोष व्यक्त किया। उनके निर्देश पर घाट पर विशेष व्यवस्थाएं की गई थीं। हर साल शास्त्री घाट पर बढ़ती श्रद्धालुओं की भागीदारी इस पर्व के प्रति लोगों के गहरे लगाव और लोकआस्था की मजबूत होती परंपरा का प्रमाण बनी रही। यहां परिवारों की सामूहिक मौजूदगी और छठ गीतों की गूंज ने पूरे परिसर को भक्तिमय कर दिया।

एनडीआरएफ की मुस्तैदी, जल और थल दोनों पर निगरानी

श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए प्रशासन की ओर से सुरक्षा के विशेष इंतजाम किए गए थे। गंगा घाटों पर एनडीआरएफ की टीमें मुस्तैद रहीं। मोटरबोट, प्रशिक्षित गोताखोरों, लाइफ जैकेट और अन्य बचाव उपकरणों के साथ जल सुरक्षा पर नजर रखी गई। पुलिस और जल पुलिस के जवान भीड़ प्रबंधन में जुटे रहे। प्रमुख घाटों पर प्रकाश, साफ-सफाई और आवागमन की व्यवस्था की गई थी। महिला श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा पर भी विशेष ध्यान दिया गया। स्वयंसेवी संस्थाओं और स्थानीय समितियों ने भी व्यव